RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 111 ता. 19 अक्टूबर 2024, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जब कांग्रेस खतरे में आती है तो संविधान खतरे में होने का शोर मचाती है: पीएम मोदी

-चंडीगढ़ में एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक में पीएम ने कांग्रेस को घेरा

चंडीगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस जनता को गुमराह करती है। उनकी सोच बांटो और राज करो की रही है। जब कांग्रेस खतरे में आती है तो वो संविधान खतरे में होने का शोर मचाती है। यह बात चंडीगढ़ में एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कही। परिवारवाद के मुद्दे पर भी पीएम ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि वहां एक घराना पार्टी तंत्र चलाना है।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि हमने संविधान निर्माताओं की सोच को आगे रखा। संविधान की रक्षा का संकल्प जनता तक पहुंचाएंगे। भारत का संविधान सुरक्षित है। संविधान के खतरे में होने की बात कहने वाले खुद खतरे में रहते हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इनकी आदत फूट डालो और राज करो की है। पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाकर और राजीव गांधी शाहबानो मामले में संविधान को कुचलने का काम किया।

पीएम मोदी ने धारा 370 समेत कई मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पब्लिक सब देख रही है। कांग्रेस के बहकावे में, उनके फूट डालो-राज करो वाली नीति पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हरियाणा चुनाव को लेकर मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने इस चुनाव में गुमराह करने की कोशिश की लेकिन बीजेपी का लोगों ने समर्थन किया।

हरियाणा में बीजेपी की लगातार तीसरी बार शानदार जीत से पार्टी पूरे जोश में है। अब उनकी निगाहें महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव पर है। यही वजह है कि बीजेपी ने आगामी चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस को घेरने के लिए खास रणनीति तैयार की है। बीजेपी नेतृत्व ने तय किया है कि वो आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाएगी, कैसे कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ाई उसे लोगों के बीच लेकर जाएंगे।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि चंडीगढ़ में एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि शासन के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस पर ध्यान केंद्रित कर हम इसको आगे बढ़ाएं।

लॉरेंस गैंग के नाम पर सलमान को धमकी कहा- 5 करोड़ दो नहीं तो बाबा सिद्दीकी जैसा करेंगे हाल

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर उनके फैन चिंतित हैं। पुलिस ने भी पहरा बढ़ा दिया है। सलमान से मिलने वालों और सेल्फी लेने वालों की गहन जांच पड़ताल भी शुरु हो गई है। इसी बीच मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सऐप पर धमकी भरे मैसेज मिला है,जिसमें सलमान खान से 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है। नहीं देने पर बाबा सिद्दीकी से भी खराब मौत की बात कही गई है। मुंबई पुलिस ने यह जानकारी दी है।मुंबई पुलिस ने कहा कि मैसेज भेजने वाले ने दावा किया है कि इसे हल्के में न लें, अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं और लॉरेंस बिश्नोई से दुश्मनी खत्म करना चाहते हैं तो उन्हें 5 करोड़ रुपए देने होंगे। अगर पैसे नहीं दिए गए तो सलमान खान की हालत बाबा सिद्दीकी से भी खराब होगी। इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 37 से हुई पार, 12 की हालत नाजुक

पटना। सारण और सिवान जिले में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या 37 से अधिक हो गई है। इसके अलावा 12 लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। सिवान जिले में सबसे अधिक मौत भगवानपुर प्रखंड के माघर गांव तथा उसके आसपास के गांवों में हुई है। ग्रामीणों का कहना था कि प्रशासन के लापरवाही के कारण माफिया शराब की बिक्री कर रहे है। जिससे आज इतने बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हुई है। माघर पंचायत के मुखिया मनमोहन मिश्रा ने बताया कि 16 अक्टूबर की सुबह उन्हें सूचना मिली कि गांव के मोहन महतो को आंखों से दिखाई नहीं दे रहा है। सूचना मिलने पर वे मोहन महतो के घर पहुंचे और पूछे कि उसने शराब तो नहीं पी है। इस पर परिजनों ने बताया कि हां शराब पी है। इसके बाद उसे अस्पताल भिजवाया। थोड़ी देर के बाद एक और युवक की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली, उसे भी अस्पताल भिजवाया गया। इसके बाद लगातार लोग बीमार होते गए और अस्पताल जाने लगे। इसके बाद से गांव में हाहाकार मच गया।

सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में करीब 28 माह बाद मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने करीब 28 माह बाद जमानत दे दी है। सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। हालांकि, 26 मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दी थी। अब जमानत के बाद सत्येंद्र जैन की रिहाई की रास्ता साफ हो गया है। ईडी ने सत्येंद्र जैन के जमानत का विरोध किया था। लेकिन, कोर्ट ने कहा कि वह पहले ही इतनी लंबी सजा काट चुके हैं। ऐसे में उन्हें जेल में रखना उचित नहीं रहेगा। इस बीच, कोर्ट ने कहा कि सत्येंद्र जैन न ही मामले से संबंधित किसी गवाह से मिलेंगे और न ही किसी साक्ष्य को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे, और न ही देश से बाहर यात्रा करेंगे। जैन के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को अब हिरासत में रखने का औचित्य नहीं है। उससे किसी भी प्रकार का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। सत्येंद्र जैन को ऐसे वक्त में जमानत मिली है, जब दिल्ली में विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष रह गए हैं।

राज्यपाल कैबिनेट के फैसले मानने के लिए बाध्य

मद्रास हाईकोर्ट सख्त टिप्पणी बोला-वे इसे नहीं बदल सकते

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि राज्यपाल कैबिनेट के फैसले मानने के लिए बाध्य हैं। वे कैबिनेट के फैसले बदल नहीं सकते। मद्रास हाईकोर्ट ने पुझल जेल में 20 साल की कैद की सजा काट रहे कैदी वीरभारती की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। वीरभारती ने राज्य सरकार से अपने अच्छे आचरण की दलील देते हुए जल्दी रिहाई की मांग की थी। स्टालिन कैबिनेट ने वीरभारती की जल्दी रिहाई की मंजूरी दे दी, लेकिन गवर्नर आरएन रवि ने राज्य सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी। उन्होंने ही वीरभारती को हाईकोर्ट में याचिका लगाने को कहा था। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एसएम सुब्रह्मण्यम और जस्टिस शिवाग्नानम की बेंच ने कहा कि गवर्नर आरएन रवि का इस मामले में कोई व्यक्तिगत, नैतिक अधिकार नहीं होना चाहिए। बेंच ने वीरभारती को प्रक्रिया खत्म होने तक अंतरिम जमानत देने का फैसला सुनाया। वीरभारती ने कहा- बाकी दोषियों की रिहाई नहीं अटकी वीरभारती ने अपनी याचिका में कहा- इस तरह के अपराधों में दोषी ठहराए गए दूसरे कैदियों को समय से पहले रिहा कर दिया गया था। राज्य समिति ने पहले अच्छी तरह से जांच की थी। इसके बाद मेरी रिहाई की सिफारिश जरूरी दस्तावेजों के साथ सीएम को भेजी गई थी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद मामले को राज्यपाल के पास भेजा गया था, लेकिन उन्होंने रिहाई से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है गवर्नर-स्टालिन के बीच का विवाद

तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। नवंबर 2023 में राज्यपालों के विधेयक अटकाने के मामले में सुनवाई हुई थी। बिल पर साइन न करने की शिकायत को लेकर केरल और तमिलनाडु सरकार ने याचिकाएं दायर की गई थीं। तमिलनाडु सरकार की याचिका पर कोर्ट ने कहा कि हमने देखा कि गवर्नर आरएन रवि ने दस बिलों पर अपनी मंजूरी तब तक नहीं दी जब तक हमने राज्य सरकार की याचिका पर गवर्नर को नोटिस नहीं भेजा। ये बिल तीन साल से पेंडिंग थे, गवर्नर तीन साल तक क्या कर रहे थे। बिलों पर एक्शन न लेना गंभीर चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नर और राज्य सरकार को आपसी मुद्दा सुलझाने के लिए एक साथ बैठकर चर्चा करने की नसीहत दी थी।

उमर कैबिनेट की पहली बैठक... राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित

जम्मू। जम्मू कश्मीर में नई विधानसभा गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक भी हो चुकी है। कैबिनेट बैठक में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को पारित किया गया है। अब इसे केंद्र को भेजा जाएगा, ताकि राज्य बहाली को स्वीकृति मिल सके।

प्रस्ताव का मसौदा नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा तैयार किया गया है, उम्मीद है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नई दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रस्ताव का मसौदा सौंप सकते है। हालांकि, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन ने विधानसभा की जगह कैबिनेट के माध्यम से राज्य का प्रस्ताव पारित करने के उमर सरकार के फैसले पर सवाल उठाया।

कैबिनेट शासन की एक बहुसंख्यक संस्था है। उमर कैबिनेट जम्मू-कश्मीर के लोगों की इच्छा के अनुसार सभी रंगों और विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करती है। पूरे देश में, जहाँ तक मेरी जानकारी है, विधानसभा राज्य के दर्जे या अनुच्छेद 370 जैसे प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने के लिए उचित संस्था है, सज्जाद लोन ने एक पोस्ट में लिखा।

लोन ने कहा, जब एनसी सरकार ने स्वायत्तता पर प्रस्ताव पारित किया, तब उन्होंने कैबिनेट प्रस्ताव के माध्यम से नहीं बल्कि विधानसभा में पारित किया। अब क्या बदल गया है। यह समझ में नहीं आता कि इस प्रस्ताव को विधानसभा के लिए क्यों आरक्षित नहीं किया जाना चाहिए था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी द्वारा उम्मीदवारों में बड़े फेरबदल के संकेत, नए चेहरे देने की कोशिश

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 120 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं और किसी भी वक्त उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने की संभावना है। बीजेपी ने इस साल उम्मीदवारों में बड़े फेरबदल के संकेत दिए हैं। खास तौर पर मुंबई के 16 में से 10 विधायकों पर तलवार लटकी हुई मानी जा रही है। यह तय है कि इनमें से 6 को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने मुंबई में 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। चर्चा है कि इन 16 में से 6 विधायकों पर गाज गिरेगी। कहा जा रहा है कि बोरीवली से सुनील राणे, दहिसर से मनीषा चौधरी, वर्सोवा से भारती लवकर, घाटकोपर पश्चिम से राम कदम, घाटकोपर पूर्व से पराग शाह और सायन कोलीवाड़ा से विधायक कैप्टन तमिल सेलवन को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया जाएगा। वहीं गोरेगांव सीट से विधायक विद्या ठाकुर की उम्मीदवारी भी खतरे में मानी जा रही है। दरअसल बोरीवली, दहिसर, घाटकोपर पूर्व और पश्चिम जैसे चार निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की अच्छी पकड़ है। पार्टी इन सीटों पर नए चेहरे देने की कोशिश कर रही है। सूत्रों की मानें तो भाजपा आलाकमान इस साल मुंबई-ठाणे समेत समूचे राज्य में उम्मीदवारों का चयन काफी गंभीरता से कर रही है।

नई संसद वक्फ की जमीन पर......अपने दावे में खुद ही फंसे बदरुद्दीन अजमल

-कांग्रेस ने मांगा सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल का संसद और एयरपोर्ट को लेकर किया दावा 24 घंटे भी नहीं टिक सका। मामले में दिल्ली वक?फ बोर्ड के सूत्रों के कहा कि उनके पास इस तरह का कोई डॉक्यूमेंट नहीं है, जिससे साबित कर सकें कि संसद और एयरपोर्ट वक्फ की जमीन पर बने हैं।

वहीं, सांसद अजमल के बयान पर कांग्रेस ने भी सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि अगर उनके पास अपने दावे को लेकर कोई सबूत हैं, तब वे जेपीसी के सामने पेश करें।

इसके पहले अजमल ने आरोप लगाकर विवाद पैदा कर दिया था कि दिल्ली में संसद भवन और आसपास के इलाके, जिसमें वसंत विहार और हवाई अड्डा भी शामिल है। यह सब वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर बने हैं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने अजमल के दावे को नकार दिया है। वक्फ बोर्ड का ये जरूर कहना है कि एयरपोर्ट को लेकर इतना जरूर सुना है कि एयरपोर्ट के पास मजार थी, जिसके आधार पर एयरपोर्ट पर दावा किया जाता है लेकिन एयरपोर्ट वक्फ की जमीन पर बना है इसका कोई कागजात नहीं है।

बता दें कि असम में जमीयत उलमा द्वारा आयोजित बैठक में एआईयूडीएफ नेता अजमल ने वक्फ संपत्तियों के मामले में मोदी सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना की। अजमल ने वक्फ बिल के खिलाफ कहा कि नई संसद ही वक्फ की जमीन पर है। उन्होंने दावा किया कि सरकार वक्फ बोर्ड की 9.7 लाख बीघा जमीन हड़पना चाहती है। उन्होंने वक्फ की जमीन मुस्लिम समाज को सौंपने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को वक्फ की सारी जमीन मुसलमानों को सौंप देनी चाहिए। मोदी सरकार हमें जमीन दे देगी, तब मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, हेल्थ और अनाथालय का इंतजाम खुद कर लेगा। इसके लिए हमें केंद्र सरकार का कोई अहसान नहीं चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताकर की टिप्पणी: बाल विवाह, अपनी पंसद के जीनसाथी चुनने का विकल्प खत्म करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हो रहे बाल विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी कर कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिए बाधित नहीं कर सकते है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों से संबंधित विवाह और अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन है। बाल विवाह होने से जीनसाथी चुनने का विकल्प खत्म हो जाता है।

देश में बाल विवाह में वृद्धि का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बाल विवाह की रोकथाम पर कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश जारी किए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जज जेबी पारदीवाला और जज मनोज मिश्रा की पीठ ने ये दिशानिर्देश जारी किए हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि बाल विवाह रोकथाम कानून को पर्सनल लॉ के द्वारा बाधित नहीं कर सकते है। कोर्ट के दिशानिर्देश में कहा गया कि इस तरह के विवाह नाबालिगों की जीवन चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन हैं। प्राधिकारियों को बाल विवाह की रोकथाम और नाबालिगों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और अपराधियों को अंतिम उपाय के रूप में दंडित करना चाहिए।

इतना ही नहीं पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि बाल विवाह रोकथाम कानून में कुछ खामियां हैं। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 बाल विवाह को रोकने और समाज से उनके उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था। इस अधिनियम ने 1929 के बाल विवाह निरोधक अधिनियम का स्थान लिया।

शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा लेने का आग्रह करेगी केंद्रीय एजेंसियां

मुंबई। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट हो गया है। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा संभावित खतरों की समीक्षा के बाद महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा पाने के लिए संपर्क करने वाली है। मालूम हो कि केंद्रीय एजेंसियों ने पहले शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा दी थी लेकिन तब पवार ने इसे लेने से इनकार कर दिया था। अब बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सूत्रों ने जानकारी दी है कि केंद्रीय एजेंसियां पवार से दोबारा संपर्क करेगी। सीआरपीएफ एक बार फिर शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा लेने का अनुरोध करेगी। अब देखना होगा कि शरद पवार क्या फैसला लेते हैं। पिछली बार जब शरद पवार को सुरक्षा देने का फैसला हुआ था तो खूब राजनीति हुई थी। शरद पवार ने केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों से कारण भी पूछा था। लेकिन उस समय सुरक्षा प्रदान करने का कारण गुप्त रखा गया था।

पन्नू मामला : अमेरिका द्वारा दी जानकारी को भारत ने गंभीरता से लिया : जायसवाल

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक और सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम कोशिश के सिलसिले में गठित भारतीय जांच समिति की अमेरिका में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद भारत ने कहा कि उसने अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी को बहुत गंभीरता से लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह बात कही। मामले के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के अभियोग में चिह्नित व्यक्ति के बारे में एक अन्य सवाल पर जायसवाल ने कहा कि वह व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। अमेरिका ने पूर्व में कहा था कि भारत सरकार ने पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों से निपटने में गंभीरता दिखाई है। भारतीय अधिकारियों की एक टीम ने हाल में वाशिंगटन में विदेश विभाग और न्याय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। अमेरिका के आरोपों के बाद भारत ने साजिश के संबंध में अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति नियुक्त की। समिति के दो सदस्य अमेरिका गए और अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक कर बातचीत की।

कोलकाता के एक अस्पताल में आग लगी, मरीजों को सुरक्षित निकाला

कोलकाता। कोलकाता के सियालदह ईएसआई अस्पताल में शुक्रवार सुबह आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर दस दमकल गाड़ियां भेजी गईं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग की घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर मरीजों को अस्पताल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

बहराइच में जुमा की नमाज पर रहा पुलिस का सख्त पहरा, बाहरी लोगों पर रही रोक

बहराइच। यूपी के बहराइच में हुई हिंसा के बाद हालात अभी भी गंभीर बने हुए है। वहां सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। सुरक्षा के लिए यहां रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स के जवानों को तैनात किया गया है। जुमे की नमाज में होने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर लिए थे। हिंसा प्रभावित इलाकों को नौ सेक्टरों में विभाजित किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार इन इलाकों में तैनात हैं। जुमा की नमाज को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए और बहराइच में बाहरी लोगों के आने पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। वहीं सीएमओ भी लगातार पुलिस और जिला प्रशासन के संपर्क में बनाए हुए था। इसके लिए कंट्रोल रुम भी बनाया गया। वीडियो फुटेज के जरिए ही उपद्रवियों की पहचान हो रही है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

विमानों में बम होने की धमकी देने वालों की खैर नहीं...पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

नई दिल्ली। पिछले तीन दिनों में एक दर्जन विमानों में बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। जांच में सभी धमकियां झूठी मिली हैं। कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को मिली बम की झूठी धमकियों पर अपनी जांच तेज कर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एक्स को पत्र लिखकर धमकी भरे संदेश पोस्ट करने वाले अकाउंट्स की डिटेल मांगी है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम धमकी के मामलों की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल, इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) की एक टीम को भी जांच में शामिल किया गया है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस ने धमकी भरे पोस्ट शेयर करने वाले हैंडल को निलंबित करने और पोस्ट हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया। अधिकारी ने कहा, ऐसा संदेह है कि हैंडलर ने एक्स पर अकाउंट सेट करने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) या डार्क वेब ब्राउजर का इस्तेमाल किया और फिर एक से अधिक अकाउंट से संदेश पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस से भी संपर्क किया है और उन्होंने मामले में एफआईआर भी दर्ज की है।

भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण से गहराई से जुड़ी हुई है: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जैव विविधता की रक्षा करने में जनजातीय समुदायों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण के साथ गहराई से जुड़ी है। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को जनजातीय कला प्रदर्शनी - 'साइलेंट कन्वर्सेशन~ फ्रॉम द मार्जिन्स टू द सेंटर' (मौन संवाद~ हाशिये से केंद्र तक) के उद्घाटन के अवसर पर यहां 'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 1973 में शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की भी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है, यह सफलता का एक शानदार उदाहरण है। इसके लिए जनजातीय समुदाय बहुत बड़े श्रेय के हकदार हैं।''

जयशंकर ने कहा कि यह कला सिर्फ रचनात्मकता ही नहीं दिखाती, बल्कि यह एक ''गहरा संदेश देती है, जो प्रकृति और मानवता के बीच की खाई को पाटता हैज बाघों से लेकर जनजातीय समुदायों तक।'' उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी दर्शाती है कि लोग प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य स्थापित करके रह सकते हैं और यह इस बात की कहानी है कि कैसे जनजातीय समुदाय ने सहस्राब्दियों से प्रकृति के साथ एक स्थायी रिश्ता बनाए रखा है। जयशंकर ने अपने संबोधन में 'अंत्योदय' के दर्शन की बात की, जिसका अर्थ है- किसी को पीछे न छोड़ना। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक नीति नहीं है, यह हमारी सरकार की आत्मा और मार्गदर्शक सिद्धांत है।''

मंत्री ने कहा, ''हम सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें हाशिए पर पड़े समुदाय, विशेषकर हमारी जनजातीय आबादी के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है। लक्षित नीतियों के माध्यम से हम अवसर पैदा कर रहे हैं, अपने जनजातीय युवाओं के लिए स्थायी आजीविका के साथ शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं।'' उन्होंने रेखांकित किया कि 'आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम' इन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय के जीवन को आसान बनाने में सहायक रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण के साथ बहुत गहराई से जुड़ी हुई है।'' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाघों को कला में दर्शाया गया है और कुछ समुदाय उनकी पूजा भी करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि जनजातीय लोगों और पर्यावरण के बीच एक ''भावनात्मक संबंध'' है और इस प्रदर्शनी को देखने के बाद मन में 'धरती माता' का भाव आता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को विदेश में लोगों को उपहार के रूप में प्रस्तुत करना एक विदेश मंत्री के रूप में मेरे लिए ''गर्व की बात'' होगी। बाद में उन्होंने प्रदर्शनी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी साझा कीं।

बिहार में जहरीली शराब के धंधे से जुड़े लोग राजद पार्टी से : विजय सिन्हा

पटना। बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों पर प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। सिन्हा ने दावा किया कि इसके पीछे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लोगों का हाथ है। शराब के धंधे में शामिल लोगों को टिकट देने का काम राजद करती है। डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि नीतिश सरकार मुद्दे पर गंभीर है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। नीतिश सरकार आरोपियों पर कार्रवाई कर रही है और सभी शराब माफियाओं पर सख्ती से कार्रवाई होगी। जब मैं विपक्ष में था, तब मैंने इन मुद्दों पर सवाल उठाए थे, लेकिन तब तेजस्वी कुछ नहीं बोलते थे। नीतिश सरकार इस तरह की घटनाओं पर गंभीरता से विचार कर रही है, पहले भी इस तरह की घटनाएं हुई थी। हम उन लोगों की पहचान कर रहे हैं जो इन घटनाओं के पीछे हैं। बिहार के गरीबों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। राजद पर हमला कर कहा कि राजद नेता अपने पिछले बयानों पर ध्यान दें, जब उन्होंने शराबबंदी के लिए समर्थन किया था। आज भी शराबबंदी बिहार में पूरी तरह से लागू है। हम सभी को मिलकर इस लागू करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बिहार में शराब माफियाओं पर सख्त कार्रवाई होगी। राजद के लोग भी शराबबंदी के समर्थन में थे, इसलिए अब उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वह अपराधियों को बचाने का खेल बंद करें। उन्होंने चिराग पासवान द्वारा उत्तर प्रदेश में उम्मीदवार उतारे जाने पर कहा, जनता मालिक है, जनता जो फैसला करेगी वह स्वीकार होगा।

2500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा प्रयागराज... महाकुंभ-2025 को लेकर योगी का फूलफ्रुप प्लान

-24 घंटे पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी

प्रयागराज (एजेंसी)। योगी सरकार महाकुंभ-2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। महाकुंभ से पहले पूरे शहर को भव्य रूप से सजाने का काम चल रहा है। वहीं दूसरी ओर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी खास इंतजाम हो रहे हैं। पुलिस जहां चप्पे-चप्पे पर नजर रखेगी, वहीं, दूसरी ओर आधुनिक के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता करने की तैयारी चल रही है। इसमें सबसे अहम रोल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सीसीटीवी कैमरे निभाएंगे। पूरे शहर में 2500 से ज्यादा सीसीटीवी लगाने की तैयारी है। इसमें एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी शामिल है, जिन्हें सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में महाकुंभ के कामों को लेकर समीक्षा की थी। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सारे काम पूरे करने के निर्देश दिया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए है, ताकि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो। इसके बाद प्रयागराज में विकास कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है।

मेला अधिकारी आनंद ने बताया कि प्रमुख स्थानों और मेला क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी है। अब तक एक हजार सीसीटीवी को विभिन्न स्थानों पर इंस्टॉल भी किया जा चुका है। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों पर 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन को लगाया जाएगा। इसके जरिये विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को डिस्प्ले किया जाएगा। महाकुंभ में करीब 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

महाकुंभ मेला को लेकर हेल्पलाइन 1920 के लिए डेडिकेटेड 50 सीटर कॉल सेंटर बनाया जा रहा है, जहां पर 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहने वाले है। यहां से पल-पल का अपडेट अधिकारियों के साथ शेयर किया जाएगा। वहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या फिर अगर किसी स्थान पर ज्यादा भीड़ एकत्रित होती है, तब संबंधित चौकी और थाने को सूचना दी जाएगी। ताकि वहां से भीड़ को कम किया जा सके। साथ ही भीड़ को एक जगह एकत्रित होने से रोकने के लिए रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी कैमरे अहम रोल निभाएगा।

जम्मू-कश्मीर सरकार राज्य का दर्जा बहाल करना चाहती है, अनुच्छेद 370 नहीं: इंजीनियर राशिद

श्रीनगर (एजेंसी)। बारामूला से सांसद शेख अब्दुल राशिद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार के अनुच्छेद 370 नहीं, बल्कि सिर्फ राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित करने की खबरें हैं, जो 'बहुत दर्दनाक' है और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के सैद्धांतिक रुख से 'भटकने जैसा' है। इंजीनियर राशिद के नाम से मशहूर शेख अब्दुल राशिद की यह टिप्पणी जम्मू के अखबार दैनिक एक्सेलसियर में प्रकाशित उस खबर के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि अब्दुल्ला सरकार ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध वाला प्रस्ताव पारित किया है। खबर में यह भी कहा गया है कि प्रस्ताव का मसौदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला खुद दिल्ली जाएंगे।

हालांकि, खबर की न तो आधिकारिक पुष्टि हुई है और न ही इसका खंडन किया गया है। राशिद ने कहा, ''ऐसी खबरें हैं कि राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध वाला प्रस्ताव पारित किया गया है। कुछ भी पारित करना उनका अधिकार है। लेकिन हम उमर को याद दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने अनुच्छेद 370 और 35ए तथा राज्य के दर्जे के बहाली की वादे को लेकर चुनाव लड़ा था।'' उन्होंने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इसलिए ऐसी खबरें बहुत दर्दनाक हैं कि केवल राज्य के दर्जे के संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया है। यह उमर की पार्टी के सैद्धांतिक रुख से भटकने के समान है।''

राशिद ने कहा, ''प्रधानमंत्री और (केंद्रीय) गृह मंत्री ने कई बार राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है। तो उमर यही चीज क्यों चाह रहे हैं? वह उस चीज को क्यों मांग रहे हैं, जो भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) पहले से ही देने को तैयार है?'' उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि वह (अनुच्छेद) 370 और 35ए के बारे में बात करने को तैयार नहीं हैं। यह सिर्फ दिखावा है और वह उस एजेंडे से भटक रहे हैं, जिस पर उन्होंने चुनाव लड़ा था।'' आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के प्रमुख राशिद ने कहा, ''ऐसा लगता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा के बीच कुछ चल रहा है। वे लुका-छिपी का खेल खेल रहे हैं। केंद्र को उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य का दर्जा बहाल करना है।''

उन्होंने कहा, ''अब्दुल्ला सिर्फ शहीदों में शुमार होना चाहते हैं। वह अन्य मुख्य मुद्दों से भागना चाहते हैं... यह शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री बनने के बाद किए गए धोखे जैसा है।'' शपथ ग्रहण समारोह के दिन तीन बार पोशाक बदलने के लिए उमर पर निशाना साधते हुए राशिद ने कहा कि इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री शपथ लेकर बहुत खुश थे, जबकि उन्हें उस दिन गंभीर होना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''मैं इसे लेकर उन पर हमला नहीं कर रहा हूं। यह उनका निजी फैसला है और वह जो चाहें, करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन, चूंकि वह एक मुख्यमंत्री हैं, इसलिए हमें इन चीजों पर ध्यान देना पड़ता है।''

एआईपी प्रमुख ने कहा, ''इसका मतलब है कि उन्हें असल मुद्दों की कोई चिंता नहीं है। ऐसा लगता है कि वह भाजपा के साथ अपनी दोस्ती को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे कि उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की तारीफ की।'' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को केंद्र के समर्थन की जरूरत है और 'हम चाहते हैं कि केंद्र प्रशासनिक और विकास संबंधी मुद्दों पर सरकार का समर्थन करे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उमर अपने रुख से भटक जाएं।'

राशिद ने आरोप लगाया, ''वह (उमर) मोदी और भाजपा सरकार के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने का बहाना ढूंढ रहे हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि अगर भाजपा 100 साल तक सत्ता में रहती है, तो क्या कश्मीरियों को अपने अधिकार मांगने के लिए 100 साल तक इंतजार करना चाहिए।'' उन्होंने सरकार से दरबार स्थानांतरण की प्रथा को भी बहाल करने का आग्रह किया, जिसके तहत सर्दियों में छह महीने के लिए शासन जम्मू और गर्मियों में छह महीने के लिए श्रीनगर से चलाया जाता है। एआईपी सांसद ने कहा, ''उन्हें (उमर) लोगों को बताना चाहिए कि कौन-सा शहर केंद्र-शासित प्रदेश की राजधानी है---श्रीनगर या जम्मू। उनकी सरकार कहां बैठेगी।'' उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि दरबार स्थानांतरण की परंपरा बरकरार रहे। यह दोनों क्षेत्रों के बीच जुड़ाव का सूत्र है।

आप सरकार जागेगी तो दिल्ली की समस्याएं हल हो जाएंगी

राजधानी में वायु गुणवत्ता खराब, बीजेपी नेता शहजाद व तिवारी ने बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। सर्दी शुरु होने और दीपावली के पहले ही हवा का स्तर काफी नीचे पहुंच गया है। दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने हमला बोला और कहा कि पिछले दस सालों से दिल्ली में आप सरकार प्रदूषण को कम नहीं कर पाई है। उन्होंने लोगों से दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी का समर्थन करने का आग्रह किया है।

मनोज तिवारी ने कहा कि पिछले दस सालों से दिल्ली में काबिज आप सरकार का प्रदूषण कम करने का कोई इरादा नहीं है...प्रदूषण फिर से खतरनाक होता जा रहा है। नदी और हवा प्रदूषित हो रही है। लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह तो बस शुरुआत है। 4-5 महीने बाद चुनाव हैं, मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि दिल्ली को फिर से दिल्ली बनाने के लिए बीजेपी को मौका दें। आप सरकार तब जागती है जब कोई समस्या होती है। दिल्ली की समस्याएं उस दिन हल हो जाएंगी जिस दिन वे समस्या आने से पहले जागना शुरू कर देंगे।

वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि दिल्ली जहरीली गैस चैंबर बनती जा रही है और इसके लिए उन्होंने आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। शहजाद ने कहा इसके लिए आप की आरोप-प्रत्यारोप की प्रदूषित राजनीति जिम्मेदार है। पंजाब में पराली जलाने का क्या हुआ, जिसे अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण बताया था? बायो डीकंपोजर का क्या हुआ? पराली जलाना से पहले ही शुरू हो चुका है।

अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने पटाखों पर बैन लगा दिया लेकिन प्रदूषण के इन कारणों का क्या, जो मुख्य कारण हैं? पंजाब में पराली जलाने के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि आप और अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया है। शहजाद ने कहा कि वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल, बायोमास जलाना, पिछले दस सालों में इनके बारे में क्या किया गया है? कुछ भी नहीं। स्मोक टावरों का क्या हुआ? स्मोक टावर बंद हो गए हैं। अब वे केवल दोष लगाने का खेल खेलेंगे। हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है और इसका कारण आप और केजरीवाल हैं।

शिंदे सरकार ने लाडकी बहिन योजना के प्रचार में ही खर्च कर दिए 200 करोड़

-आरटीआई से हुआ खुलासा, सरकार पर उठ रहे सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। मध्य प्रदेश की तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार ने सीएम एकनाथ शिंदे मांझी लाडकी बहिन योजना शुरू की है। सरकार ने इस योजना के प्रचार-प्रसार में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसका खुलासा सूचना के अधिकार (आरटीआई) से हुआ है। सरकार ने सिर्फ एक योजना का प्रचार करने लिए करीब 200 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। बाकी योजनाओं की बात तो अलग ही है।

महाराष्ट्र सरकार ने इसी साल जुलाई में लाडली बहिन योजना शुरु की थी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर माह 1500 रुए दिए जा रहे हैं, लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने योजना के प्रमोशन के लिए मात्र चार महीने में ही 199,81,47,436 करोड़ खर्च कर दिए हैं। शिंदे सरकार ने लाडली बहिन योजना के लिए हर साल 46 हजार करोड़ का बजट पास किया है। सरकार ने सिर्फ एक योजना के लिए चार महीने में करीब 200 करोड़ खर्च कर दिए, जो अब सवालों के घेरे में है। अमरावती के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने सरकार से सूचना के अधिकार के तहत इसकी जानकारी मांगी थी। इसका जवाब सरकार ने दिया और बताया कि विविध माध्यमों द्वारा सरकार ने इसके प्रचार-प्रसार में 199,81,47,436 यानी करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। अब इस जानकारी के बाद आरटीआई कार्यकर्ता ने सरकार पर सवाल उठाया है कि अगर यह योजना इतनी लाभकारी है तो उसे इतना प्रचारित करने की जरूरत क्यों पड़ी? जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी सरकार ने क्यों की? ये आंकड़ा सिर्फ प्रचार प्रसार का है। वहीं सरकार ने इस योजना के लिए कई कार्यक्रम और रैलियां की हैं जिसमें करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। अगर इसे भी जोड़ दिया जाए तो ये खर्च का कुल आंकड़ा 500 करोड़ तक भी पहुंच सकता है। बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होना है। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। देखने होगा कि शिंदे सरकार की यह योजना का असर लोगों पर कितना हुआ है।

भूस्खलन की भविष्यवाणी करेगा ये एप... आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर ने किया तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईटी दिल्ली ने लैंडस्लाइड यानी भूस्खलन की भविष्यवाणी और मैपिंग के लिए वेब एप तैयार किया है। इससे किसी भी इलाके की लैंडस्लाइड हिस्ट्री 3 से 5 मिनट में तैयार होती है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर मानाबेंद्र सहारिया ने तैयार किया है। इस एप का नाम है कासकेड दिया है।

यह एप लैंडस्लाइड वाले इलाकों की मैपिंग करता है। अभी देश में लैंडस्लाइड मैपिंग का काम असल में भूस्खलन वाली जगह पर जाकर होता है। इसमें काफी ज्यादा समय लगता है। देश में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पहुंच पाना मुश्किल होता है। ये वेब एप इस काम को सैटेलाइट इमेज से 3 से 5 मिनट में पूरा कर देता है।

लैंडस्लाइड मैपिंग से पता लगाना आसान होगा, कि किसी जगह पर पहले लैंडस्लाइड होते रहे हैं। माना जाता है कि अगर किसी जगह पर पहले लैंडस्लाइड हुआ है, तब वहां फिर लैंडस्लाइड होगा। कई बार यह जानकारी न होने के चलते लोग पहाड़ों पर घर बना लेते हैं. सड़क बन ली जाती हैं। इससे नुकसान होता है।

लेकिन यह एप लैंडस्लाइड के बाद रीहैब में भी मदद करती है। इस एप से यह पता लगाना आसान होता है, कि उस जगह पर मौजूद कोई मकान, रेलवे लाइन या फिर सड़क को कितना नुकसान हुआ है। इंश्योरेंस क्लेम में इसका डेटा काफी मददगार साबित होगा।

क्या होती है लैंडस्लाइड?

लैंडस्लाइड या भूस्खलन सिर्फ पहाड़ों पर ही नहीं होते है। हिमालय से लेकर केरल तक हो रहे हैं। यह एक नार्मल प्रक्रिया है, इसमें जमीन या पर्वत का बहुत बड़ा हिस्सा खिसकता है। संतुलन और स्थिरता खोता है। तब वह नीचे की ओर सरकता है। बीते 10-15 वर्षों में मौसमी आपदाओं का आना बढ़ गया है। इसकी वजह से पहाड़ी ढलानें स्थिरता नहीं पा रही हैं। इस पाने के लिए ऊपर से नीचे की तरफ खिसक जाते हैं। आमतौर पर इस प्रक्रिया को लैंडस्लिप कहते हैं। जब लैंडस्लिप बड़े पैमाने पर होता है, तब इस घटना को लैंडस्लाइड कहा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश सिंगर लियाम पायने की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। पॉप बैंड वन डायरेक्शन के पूर्व सदस्य और सिंगर लियाम पायने की

तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई. तीसरे मंजिल के कमरे की बालकनी से गिरने के बाद वो मृत पाए गए हैं. हालांकि, अभी मौत के कारणों का पता नहीं चला है और पुलिस की जांच जारी है. पुलिस की ओर से एख बयान जारी कर कहा गया है कि उन्हें ड्रग्स और शराब के नशे में एक शख्स के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस होटल पहुंची थी. होटल मैनेजर ने कहा कि उसने होटल के पीछे से तेज आवाज सुनी और जब पुलिस वहां पहुंची तो उन्होंने पाया कि एक आदमी अपने कमरे की बालकनी से गिरा हुआ था. आपातकालीन कर्मियों ने 31 वर्षीय ब्रिटिश गायक की मौत की पुष्टि की है. एमटीवी ने एक्स पोस्ट में कहा, आज लियाम पायने के दुखद निधन के बारे में जानकर हमें गहरा दुख हुआ है. इस कठिन समय के दौरान उनके परिवार, प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ हैं. लियाम जेम्स पायने अंग्रेजी गायक थे. बैंड वन डायरेक्शन के सदस्य के रूप लियाम चर्चित हुए थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू बोला- कनाडा को भारत विरोधी जानकारियां दीं, ट्रूडो को भारतीय उच्चायोग का खुफिया नेटवर्क बताया, 3 साल से उनके संपर्क में हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कनाडाई में कहा कि उसने कनाडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पिछले 2 से 3 सालों से कनाडाई जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों और पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। एक आतंकवादी संगठन है, जो कनाडा और अन्य देशों में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देता है। ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने उनका इस्तीफा मांगा भारत और कनाडा के विवाद के बीच ट्रूडो की लिबरल पार्टी के एक सांसद ने अगले साल कनाडा में होने वाले चुनाव से पहले ट्रूडो का पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा मांगा है। सांसद सीन केसी ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देश के लोग अब और सहन नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब ट्रूडो के जाने का समय आ गया है, लोगों का धैर्य टूट रहा है। जून में हुए उपचुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद पिछले हफ्ते ही हार की समीक्षा को लेकर एक बैठक हुई थी। इससे पहले जून में भी एक और सांसद वेन लॉन्ग ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की थी।

गाजा में दिल दहला देने वाला मंजर, सड़क पर शवों को नोच खा रहे कुत्ते,अब तक 42 हजार मौतें

फिलिस्तीन, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से गाजा में संघर्ष जारी है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते नजर आ रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाए जाने के निशान हैं। फारेस अफाना ने सीएनएन को बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उत्तरी गाजा और जबालिया क्षेत्र में हवाई और जमीनी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायली सेना का कहर जारी है। अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है। वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से ज़्यादातर आम लोग थे। तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बुधवार को गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अफ़ाना ने बताया कि सोमवार को इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित एक राहत शिविर केंद्र में खाने की तलाश कर रहे भूखे लोगों पर गोलीबारी की है। उन्होंने कहा, स्थिति बदतर होती जा रही है।

यूक्रेन के लिए दूर की कौड़ी बना नाटो, क्यों नहीं मिल रही सदस्यता; कहां अटका पेच

कीव, एजेंसी। दो साल से नाटो में सदस्यता का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए तैयार नहीं है। यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता दूर की कौड़ी होती जा रही है। दो साल से सदस्यता लेने का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है। नाटो के सहयोगी देशों ने जेलेंस्की से उनकी विक्ट्री प्लान के बारे में और जानकारी मांगी है, जो रूस के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

जेलेंस्की जल्द चाहते हैं नाटो की सदस्यता : जेलेंस्की की योजना इस पर केंद्रित है कि नाटो उनकी सदस्यता आवेदन पर तेजी से कार्य करे। यूक्रेन द्वारा यह आवेदन दो साल पहले रूस के आक्रमण के बाद नाटो से संरक्षण मांगने के तहत किया गया था। दरअसल नाटो की सबसे बड़ी विशेषता उसका सामूहिक सुरक्षा गारंटी है, जिसका उल्लेख संगठन के अनुच्छेद 5 में कहा गया है। यह 32 सदस्य देशों द्वारा किए गए राजनीतिक वचनबद्धता है कि यदि किसी सदस्य देश की संप्रभुता या क्षेत्र पर हमला होता है, तो सभी सदस्य उसकी सहायता करेंगे। लेकिन यह प्रावधान यूक्रेन जैसे सहयोगी देशों पर लागू नहीं होता। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो महासचिव मार्क रूटे ने जेलेंस्की के विक्ट्री प्लान पर किसी स्वागत योग्य प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि वे और सहयोगी इस पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यूक्रेन कब नाटो में शामिल हो सकता है, सिर्फ यह कहा कि यूक्रेन एक दिन सदस्य बनेगा।

नाटो का यूक्रेन को दिलासा : रूटे ने कहा, इस योजना में कई राजनीतिक और सैन्य मुद्दे हैं जिन पर हम यूक्रेन के साथ चर्चा करेंगे। हमें यह देखना होगा कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। फिलहाल नाटो का ध्यान यूक्रेन को और अधिक क्षेत्रीय जीत दिलाने और भविष्य की शांति वार्ताओं के लिए उसकी स्थिति को मजबूत करने पर है। उल्लेखनीय है कि यह वक्त यूक्रेन के लिए काफी कठिन है। यूक्रेनी सैनिक डोनेट्स्क क्षेत्र में बेहतर तैयार और सुसज्जित रूसी बलों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

यूक्रेन के लिए फिलहाल नाटो की सदस्यता नहीं चाहता अमेरिका : नाटो के सदस्यता की मांग यूक्रेन 16 सालों से कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, नाटो के बड़े सदस्य देश जैसे अमेरिका और जर्मनी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यूक्रेन को सदस्यता देने से वे परमाणु शक्ति संपन्न रूस के साथ एक व्यापक युद्ध में घसीटे जा सकते हैं। इसलिए यह देश तब तक यूक्रेन को नाटो में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता।

बेरूत में मारे गए आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर, शव बरामदः ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने वरिष्ठ कमांडर अब्बास निलफोरूशन के मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि शव बरामद कर लिया गया है। निलफोरूशन पिछले महीने इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के साथ कथित बैठक के दौरान मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, आईआरजीसी ने शुक्रवार को सेपाह न्यूज पर कहा कि सर्च टीम द्वारा निरंतर प्रयासों के बाद निलफोरूशन का शव बरामद कर लिया गया है। आईआरजीसी ने शानदार जनरल की शहादत पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही संकेत दिए कि उनके पार्थिव शरीर को ईरान लाया जाएगा। हालांकि कब इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है। बता दें कि निलफोरूशन 27 सितम्बर को इजरायली अटैक में मारे गए थे। तब इजरायल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर टार्गेट अटैक किया था। इस हमले के दौरान नसरल्लाह के साथ-साथ हिजबुल्लाह के भी कई बड़े नेता मारे गए थे। अटैक के वक्त निलफोरूशन और नसरल्लाह के बीच बैठक चल रही थी। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर को आईआरजीसी ने इजरायल के रणनीतिक स्थानों पर करीब 180 मिसाइलें दागीं थी।

कितना बदल गया बांग्लादेश ! मुक्ति संग्राम और मुजीब से जुड़े दिनों पर सारी छुट्टियां रद्द

ढ़ाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगस्त महीने में तख्तापलट हो गया था। इस दौरान खूनखराब हुआ तो तत्कालीन पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था और भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं पर निर्वासित जिंदगी जी रही हैं। उनकी सत्ता से बेदखली के बाद नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने कमान संभाल रखी है। वह भले ही अर्थशास्त्री हैं और दुनिया भर में उनका नाम है, लेकिन वह बांग्लादेश को पाकिस्तान के एजेंडे पर आगे बढ़ाते दिख रहे हैं। यही वजह है कि अब बांग्लादेश में मुक्ति संग्राम और उसके नायक मुजीबुर रहमान से जुड़े दिनों पर होने वाली छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस तरह बांग्लादेश की सरकार का वैचारिक झुकाव पाकिस्तान की ओर बढ़ रहा है। वही पाकिस्तान जिससे अलग होकर बांग्लादेश का गठन हुआ था। बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार, भेदभाव के आरोप तत्कालीन पाकिस्तान सरकार पर लगे थे। इसी के विरोध में आंदोलन भड़का था, जिसे बांग्ला मुक्त संग्राम का नाम मिला था। अंत में 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इसमें भारत ने भी मदद की थी। मुजीबुर रहमान को उस आंदोलन का नायक माना जाता है। यही वजह थी कि उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर बांग्लादेश में छुट्टी होती रही है। अब बांग्लादेश सरकार ने इन छुट्टियों को रद्द कर दिया है। कुल 8 राष्ट्रीय अवकाशों को मोहम्मद यूनुस सरकार ने रद्द कर दिया है। इनमें 7 मार्च और 15 अगस्त शामिल हैं, जिन्हें मुक्त संग्राम से जोड़ा जाता है। इन छुट्टियों को रद्द करने का फैसला हाल ही में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया था। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा।

भारत के खिलाफ ठोस सबूत नहीं; भारत बोला- रिश्ते खराब करने के लिए कनाडाई पीएम ही जिम्मेदार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माना है कि पिछले साल जब उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया था, तब उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी। कोई ठोस सबूत नहीं था। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। ट्रूडो सरकार पहले दावा करती रही है कि उसने निज्जर हत्याकांड से जुड़े सबूत भारत को दिए थे। वहीं, भारत कहता रहा है कि कनाडा ने इस हत्या से जुड़ा कोई सबूत नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो के बयान के बाद गुरुवार (17 अक्टूबर) को कहा कि दोनों देशों के संबंध खराब होने के पीछे कनाडा के पीएम ही जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर एक जांच समिति बनाई गई थी। ट्रूडो बुधवार को इसमें पेश हुए। इसमें उन्होंने कहा- मुझे फाइव आइज देशों से खुफिया जानकारी मिली थी, जिससे साफ हो गया था कि भारत, कनाडा की धरती पर उसके नागरिक की हत्या में शामिल है।

मेरा मकसद सिर्फ भारत सरकार से बातचीत करना था। जब मैंने ऐसा किया तो उन्होंने हमसे सबूत मांगे। तब हमने बताया कि हमारे पास खुफिया जानकारी है, फिलहाल कोई ठोस सबूत नहीं हैं। इसलिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयर फोर्स ने बुधवार रात यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की। अलजजीरा ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के हवाले से बताया कि क्र 2 स्पिरिट बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों पर पर सटीक हमला किया गया।

ऑस्टिन ने कहा कि जमीन के भीतर हूती विद्रोहियों ने घातक हथियार छुपा रखे थे। इसका इस्तेमाल वे दूसरे देशों पर हमला करने और लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाने के लिए करते थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति बाइडेन के निर्देश पर किए गए। उन्होंने कहा कि हमारे जवाब से साफ है कि दुश्मन अपने हथियारों को जमीन के कितने ही भीतर छुपाकर रख ले, हम उसे ढूंढ़कर बर्बाद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। ये पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में बी-2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। इसके पहले अमेरिकी सेना यमन में फाइटर जेट का इस्तेमाल करती रही है। अमेरिका ने एक महीने पहले ही में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की तैनाती हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर की थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-22 स्टील्थ बॉम्बर को अमेरिका का सबसे घातक हथियार माना जाता है। कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिका और रूस खतरनाक हथियारों की रेस में लगे थे। तब अमेरिका में इसे तैयार किया गया था। साल 1987 से 2000 तक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का निर्माण हुआ। अमेरिका ने 132 यूनिट बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बनाने का टार्गेट रखा था

मगर 21 का ही निर्माण किया जा सका। दो बी-22 विमान 2008 और 2022 में हादसे का शिकार हो गए थे। अमेरिका के पास अब सिर्फ 19 बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बचे हैं। बी-22 विमान फाइटर जेट की तुलना में ज्यादा बमों को ले जाने में सक्षम है। यह परमाणु हथियार भी ले जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक बजट ज्यादा होने की वजह से अब बी-22 विमान नहीं बनाया जाता है। अमेरिका ने आज तक किसी भी देश को यह विमान नहीं बेचा है। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकाने पर हमला क्यों किया इजराइल 7 अक्टूबर से ही गाजा पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में हूती विद्रोही समंदर में इजराइल के सहयोगी देशों के जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका बोला-भारत पन्नू मामले की जांच में सहयोग कर रहा, कनाडा ने जिस पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर हो रही जांच में भारत की तरफ से सहयोग किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारतीय अधिकारी हमें अपनी जांच का अपडेट दे रहे हैं और हम अपनी जांच का अपडेट उन्हें दे रहे हैं। पन्नू मामले में जांच को लेकर भारतीय टीम वॉशिंगटन में है।

मिलर ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में ये भी बताया कि जिस शख्स पर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, अब वह भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने पहले आरोप लगाया था कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में आरोपी निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक कर्मचारी का सहयोगी है। इन्होंने मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी।

14 अक्टूबर को अमेरिका ने कहा था कि भारत ने पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। वॉशिंगटन पोस्ट में इस अधिकारी

का नाम विक्रम यादव बताया गया था। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। पन्नू की हत्या की साजिश का मामला पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। **पन्नू को मारने के लिए दिए गए थे 83 लाख रुपए :** अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, पन्नू को मारने साजिश पिछले साल सितंबर में क्क्रमोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। चार्जशीट के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। यादव ने पन्नू के बारे में भारतीय एजेंट निखिल गुप्ता को जानकारी भेजी, जिसमें उसके न्यूयॉर्क में होने के बारे में पता चला था। इसके बाद निखिल गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया। हालांकि, साजिश कामयाब होने से पहले ही निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हिजबुल्लाह की इस ताकत ने उड़ा दिए हैं इजरायल के होश

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल एक तरफ गाज़ा पर ताबड़तोड़ हमले किए पड़ा है और दूसरी तरह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले किए जा रहा है. हिजबुल्लाह पर हमले होते हुए करीब एक महीना होने जा रहा है. ऐसे में हिजबुल्लाह भी न तो झुकता दिख रहा है और न ही इजरायल की ओर से कोई नरमी बरती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर इजरायल को शांत करने की कोशिशें आरंभ हो गई हैं. वहीं, इजरायल की ओर से अभी तक गाज़ा या कहें हमास को लेकर कोई ढिलाई करने के मूड में नहीं है. लेकिन, दूसरी तरफ लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों को लेकर कुछ शर्तों के साथ हमले रोकने की बात को तैयार है. आखिर ऐसा क्यों है. इसके पीछे जो वजह निकलकर सामने आ रही है वह जानकर अमेरिका से लेकर कई दमदार देश हैरान हैं. इजरायली नौसेना की चिंता येरुसेलम पोस्ट में छपी खबर के मुताबिक इज़रायली नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि हिज्बुल्लाह के पास अभी भी एक कार्यरत नौसैनिक शाखा है जिसके पास जहाज-रोधी मिसाइलें और संभावित नौसैनिक बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं. यह डर इजरायल की नौसेना को सता रहा है. हिजबुल्लाह के पास नौसेना की ताकत बता दें कि आईडीएफ ने पिछले दशक में हिज्बुल्लाह की नौसैनिक क्षमताओं पर बारीकी से नज़र रखी है. इसका अधिकांश ध्यान रूस निर्मित

सुपरसोनिक याखोंट मिसाइल पर था. एक आकलन के मुताबिक, मिसाइल रूस से सीरिया को बेची गई थी और फिर हिजबुल्लाह को हस्तांतरित कर दी गई थी. ईरान की मदद से नौसेना तैयार कहा जा रहा है कि हिजबुल्लाह ने ईरान के समर्थन से एक गुप्त नौसैनिक इकाई तैयार की है. इसने काफी तैयारी कर ली है लेकिन, इजरायल समय-समय पर इसे कम करता रहा है. इस बात पर इजरायल लगातार नज़र बनाए रखे था और धीमें-धीमें अपनी तैयारी भी करता आया है. हिजबुल्लाह की नौसैनिक इकाई के पास पोर्ट पर हमले की क्षमता है और इजरायल की नौसेना को इसी बात का डर सताता है. इजरायल के पास तकनीक रूप से उन्नत मिसाइलें और राडार सिस्टम हैं. इजरायल की एक और चिंता यह है कि यमन में हूती आतंकियों के पास भी कुछ मिसाइलें हो सकती हैं।

फ्रेंकफर्ट-मुंबई विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी, पाकिस्तान के एयर स्पेस में मिला इमरजेंसी सिग्नल, 4 दिन में विमान में बम की 20वीं धमकी

फिलिस्तीन, एजेंसी। विस्तारा की फ्रेंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट के-028 में गुरुवार को बम होने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई। जब अधिकारियों ने बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इससे पहले बुधवार को सात और फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 4 दिन में कुल 20 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

धमकी भरे मैसेज भेजने वालों की पहचान- एविएशन मिनिस्ट्री : एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि

आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं। 15 अक्टूबर- एक शख्स ने धमकी भेजी थी, सभी झूठी निकलीं मंगलवार को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई थी। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए थे। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं।

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र: सरकार से बड़ी उम्मीदें

> निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है।

(लेखक- -ललित गर्ग)

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके।

निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-

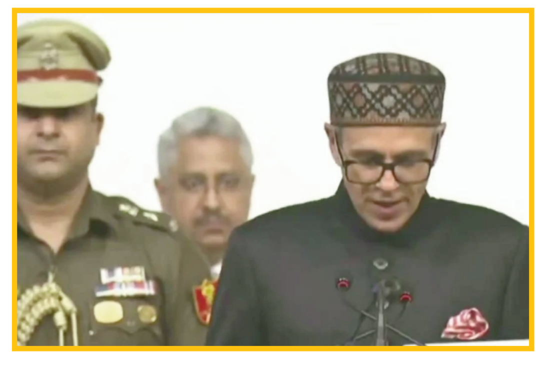

नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, उसमें नई उम्मीदों को पंख लगे हैं। अलगाव से बाहर निकलने का नया विश्वास जगा है। पाकिस्तानी आतंकी सोच के नुकसान को प्रांत ने झेला और महसूस किया है। गुलाम कश्मीर के लोगों की दुर्दशा को देखा जा रहा है। इसीलिये इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक सरकार बनायी है, जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान उमर की भविष्य के शासन एवं नीतियों पर टिकी है। निश्चित ही इस नई सरकार से उम्मीद जगी है कि उसके प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही नई सरकार एवं उमर के नेतृत्व की सार्थकता है। प्रेषक:

संपादकीय

नागरिकता से न्याय

सर्वोच्च न्यायालय ने नागरिकता अधिनियम के अनुच्छेद 6ए की सांविधानिकता को बरकरार रखकर सही फैसला लिया है। वैसे पांच न्यायाधीशों की पीठ इस फैसले पर एकमत नहीं थी और अंततः फैसला चार-एक से 6ए के पक्ष में आया है। भारतीय नागरिकता देने से संबंधित इस प्रावधान का विशेष महत्व है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से बांग्लादेश से आकर भारत में बसे उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी, जो जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 के बीच भारत आए हैं। अदालत में अनुच्छेद 6ए को एकाधिक याचिकाओं के जरिये चुनौती दी गई थी कि नागरिकता देने की कोई समय-सीमा न रखी जाए, लेकिन न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि असम में प्रवेश और नागरिकता देने के लिए 25 मार्च 1971 की अंतिम तिथि सही है। भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा का बहुमत का फैसला इस बात पर सर्वसम्मत था कि साल 1985 में संसद द्वारा बनाया गया कानून एक विधायी समाधान है, जिसे संसद ने प्रभावी बनाया है। यह असम समझौता असमिया संस्कृति, विरासत, भाषायी और सामाजिक पहचान को सुरक्षित-संरक्षित करने के मकसद से किया गया था। जिस 6ए को चुनौती दी गई थी, उसकी पृष्ठभूमि को समझना जरूरी है। यह तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार, असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच खोजा गया एक सही सियासी समाधान था। असम में इस कानून के लिए विशेष रूप से छात्रों ने छह साल तक प्रदर्शन किया था, तब जाकर समझौता हुआ था और कानून बनाया गया था। यह कानून न बनता, तो शायद बांग्लादेश की ओर से लोगों का आना कम नहीं होता। वैसे एक पहलू यह भी है कि कानून बनने के बावजूद बांग्लादेश से लोगों का आना रुका नहीं है और इसी आधार पर एक न्यायाधीश बहुमत के फैसले से असहमत हैं। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला के मुताबिक, सांस्कृतिक-सामाजिक संरक्षण का मकसद पूरी तरह से हल नहीं हुआ है और ऐसे में, अनुच्छेद 6ए को असांविधानिक माना जा सकता है। हालांकि, यह एक बहुत गंभीर सवाल है कि साल 1971 के बाद असम या भारत में आए लोगों को भी अगर स्वीकार कर लिया जाए, तो क्या होगा? ऐसी ढिलाई या उदारता अन्य लोगों को भी भारत आने के लिए उकसाएगी। अतः संस्कृति और आबादी के ढांचे को बचाने के लिए कड़े कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। आज लोगों का एक से दूसरे देश में अवैध पलायन और उसके बाद नागरिकता के सवाल पर भारत ही नहीं, हरेक देश का चिंतित होना स्वाभाविक है। सबको अपने हित में कानून बनाने व लागू करने का हक है। यह अच्छी बात है कि हमारी अदालतों को भी चिंता है कि भारतीय राज्य का चरित्र नहीं बदलना चाहिए। बाहर से आने वाली कोई भी संस्कृति स्थानीय बसावट को मुश्किल में डालती है। आजकल स्वयं बांग्लादेश म्यांमार से आई रोहिंग्या आबादी की वजह से बहुत परेशान है और वह अपनी परेशानी संयुक्त राष्ट्र में भी कई बार उठा चुका है। ध्यान देने की बात है कि मुस्लिम राष्ट्र बांग्लादेश में भी मुस्लिम रोहिंग्या को शरण देने में समस्या हो रही है और वह अपनी अर्थव्यवस्था व सामाजिकता के बारे में सोच रहा है। भारत को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि अपने व्यापक सामाजिक-आर्थिक हित के आधार पर ही सोचना चाहिए और तभी किसी को नागरिकता देनी चाहिए।

एग्जिट पोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की चुनौती

चुनावी अनुमान/ प्रमोद भार्गव

निर्वाचन आयोग ने 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र और 81 विधानसभा सीटों वाले झारखंड में चुनाव की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। साथ ही, 15 राज्यों की 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे, जिनके नतीजे उसी दिन आएंगे। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार घोषित किया है, यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इसी क्रम में उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया से एग्जिट पोल पर जिम्मेदारी से काम करने का आह्वान किया और ईवीएम को मतदान के लिए सुरक्षित बताया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही ईवीएम पर सवाल उठने लगे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 'एग्जिट पोल' का कोई अर्थ नहीं है। हाल के चुनावों में जो रुझान टीवी चैनलों में दिए गए वे आधारहीन थे। जब आयोग की वेबसाइट पर साढ़े 9 बजे पहला रुझान दिया जाता है तो फिर टीवी चैनल मतगणना शुरू होने के 10-15 मिनट में कैसे रुझान शुरू कर सकते हैं? असल में, चैनल रुझान दिखाकर सिर्फ अपना एग्जिट पोल सही ठहराने का प्रयास करते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल अनुमानों के विपरीत निकले। इधर, हाल ही में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के अनुमान भी उल्टे पड़े। जो हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने 49 सीटें जीत बहुमत हासिल कर लिया। विपक्ष ने एग्जिट पोल के आधार पर ईवीएम के जरिये सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में अकसर आरोप लगते हैं कि विपक्ष वहां तो हल्ला करता है, जहां उसकी हार हो, लेकिन वहां शांत रहता है, जहां से उसे जीत मिलती है। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने सात चरणों में अपने मत दिए। हालांकि, 2019 की तुलना में मतदान कम रहा। चुनावी विश्लेषक कम मतदान को सत्तारूढ़ दल के विरोध में मतदाता की भावना के रूप में देखते हैं, और यही आधार एग्जिट पोल के अनुमानों का भी होता है। मतदान के बाद एग्जिट पोल सर्वेक्षणों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मोदी-शाह की जोड़ी रणनीतिक सफलता हासिल करने जा रही है। एग्जिट पोल अनुमानों में व्यक्त किया गया कि मोदी की आक्रामक शैली ने समुदाय विशेष के मतदाताओं को पूरे देश में ध्रुवीकृत करने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के दौरान एक अन्य समुदाय विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। मसलन, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछड़े वर्ग के आरक्षण में मुसलमानों को शामिल करने का कदम। मोदी ने इस मुद्दे को उठाकर न केवल इन राज्यों में, बल्कि पूरे देश में पिछड़े और अतिपिछड़े वर्ग के मतदाताओं को उनके हकों के प्रति जागरूक किया। नतीजतन, इस वर्ग के मतदाताओं ने राजग को भरपूर वोट दिए। कहा गया कि पीएम मोदी ने इस मुद्दे का लाभ बंगाल में भी उठाया। इसी का परिणाम है कि 2019 में मिलीं 18 सीटों की तुलना में भाजपा को यहां 21 से 28 सीटें मिलने तक का अनुमान बताया था। राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक जैसे मुद्दों ने सभी वर्ग के मतदाताओं को लुभाया है। एग्जिट पोल अनुमानों में कहा गया कि लाडली बहना, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं से मिले लाभ के चलते ग्रामीण मतदाता राजग के पक्ष में दिखाई दिया है। स्त्री मतदाता मोदी को चुनने में आगे दिखाई दे रही हैं। परंतु परिणाम आने के बाद मीडिया की ये मुनादियां गलत साबित हुईं। वर्ष 2019 की तुलना में वोटिंग कम रहने के बावजूद औसत मतदान 62 प्रतिशत से ऊपर रहा था। ये सर्वे यदि 4 जून को आने वाले वास्तविक नतीजों पर खरे उतरते तो राजग गठबंधन स्पष्ट बहुमत में आ जाता। यही नहीं, ऐसा होता तो लोकसभा में बहुमत के लिए राजग को सहयोगियों की जरूरत नहीं पड़ती। ये अनुमान जता रहे थे कि दलित, वंचित और वनवासी मतदाताओं का जातिगत मतदान से मोहभंग हो रहा है और वे क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त हो रहे हैं। एग्जिट पोल के चुनावी विशेषज्ञ बता रहे थे कि धर्मनिरपेक्षता के पैरोकारों पर सनातन-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हावी रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल के प्रमुखों की ओर से रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराने का असर भी मतदाता पर पड़ा है। लगता है, अब छद्म धर्मनिरपेक्षता का आवरण टूट रहा है। केवल बंगाल में ममता बनर्जी मुस्लिम मतदाताओं के तुष्टिकरण के लिए इसका सहारा ले रही हैं। गौरतलब है कि इस बार भाजपा ने बंगाल को केंद्रित करके हमलावर रणनीति अपनाई है। नतीजतन, कभी वामपंथी रहे लोग अब भाजपा में शामिल होकर उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। यह भी कि ऐसे लोगों ने जहां भाजपा को मजबूती दी है, वहीं कम्युनिस्टों के इस गढ़ को बिल्कुल कमजोर करने का काम भी किया है। एग्जिट पोल के जानकारों का कहना था- एक बार फिर यह मिथक बनता दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन से ही प्रधानमंत्री का पद सृजित होगा। इसी मिथक को पुनर्स्थापित करने के लिए मोदी बनारस से चुनाव लड़े हैं। मोदी की यहां आमद ने पूरे पूर्वांचल को भगवा रंग में रंग दिया है। नतीजतन, भाजपा यहां सर्वेक्षणों के अनुसार अच्छी स्थिति में है। यह भी कहा कि स्पष्ट लग रहा है, जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। किंतु परिणाम के बाद देखा कि उ.प्र. और बंगाल में मतदाता ने भाजपा को बड़ा झटका दिया और एग्जिट पोल के अनुमान धराशायी हुए। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त का बयान कि एग्जिट पोल व्यर्थ की कवायद है, एक हद तक सही कहा जा सकता है।

(चिंतन-मनन)

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रूपये कमाते हैं तो कल हजार रूपये कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर दें तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है। दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्रह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्रह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो। ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे। हमारा जीवन जैसे चल रहा था हम वैसे ही जिएंगे। अगले दिन से ब्राह्मण गरीबों को अन्न-धन बांटने लगा। ब्राह्मण की किस्मत में जितना अन्न धन का सुख था वह उसे मिलता रहा। लेकिन दान के प्रभाव से उसके पुण्य में वृद्धि होती गयी और ब्राह्मण का नाम एवं यश चारों ओर फैलने लगा। पुण्य की वृद्धि और उदारत से प्रसन्न होकर भगवान ने ब्राह्मण की गरीबी दूर कर दी।

विचार मंथन

बातचीत से कनाडा ही नहीं इन देशों का भी निकलेगा हल

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

भारत और कनाडा के बीच काफी लंबे समय से चली आ रही तनातनी अब दोतरफा राजनयिक कार्रवाई तक पहुंच गई है। इससे दोनों ही देशों के रिश्ते रसातल पर पहुंच गए हैं। यह सही है कि कनाडा ने भारत पर बहुत ही गंभीर आरोप लगाए हैं। मुमकिन है कि ऐसा आगामी चुनाव को देखते हुए कनाडा ने किया हो। निज्जर और पन्नू तो एक बहाना है, असल मकसद तो चुनाव साधना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पास जनता को बतलाने के लिए कुछ खास तो बचा नहीं है, ऐसे में भारतीय मूल के वोटरों के एक बड़े धड़े को खुश करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इस तरह से सियासी पैंतरेबाजी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर खूब चला है। नतीजा यह हुआ कि भारतीय उच्चायुक्त सहित छह राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से सीधे जोड़ जाने के चलते भारत ने कनाडा के डेप्युटी हाई कमिश्नर सहित छह राजनयिकों को देश छोड़ने को कह दिया और वहां से अपने राजनयिक बुलाने के आदेश दे दिए। अब चूंकि कनाडा में भारत विरोधी ताकतों का जमावड़ा लगा हुआ है और उन पर कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। ऐसे में रिश्तों में दरार बढ़ना लाजमी है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम घातक होंगे, जिसे दोनों ही देश नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। ऐसे में कनाडा सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह अपने देश में जमें अलगाववादियों के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकाले। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राजनयिकों के खिलाफ की गई दोतरफा कार्रवाई के अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण पर भी इसका असर जरुर ही देखने को मिलेगा। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि निज्जर मामले के अलावा भारत को अलगाववादी और अमेरिकी-कनाडाई नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश संबंधी आरोपों का भी सामना करना पड़ रहा है। कनाडा से रिश्ते बिगड़ते देख अमेरिका भी मुखर हो गया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जून 2023 में निज्जर की हत्या के बाद से कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो मानों बौखला गए हैं। उन्होंने पिछले साल ही 21 सितंबर को नई दिल्ली मे आयोजित जी20 शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। तब से ट्रूडो निज्जर की हत्या में किसी भारतीय एजेंट के हाथ होने का आरोप लगाते आ रहे हैं। खास बात यह है कि उन्होंने इन आरोपों को सिद्ध करने के कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किए। इससे भी जब दिल नहीं भरा तो कनाडा पुलिस ने अब एक नया संगीन आरोप लगाते हुए कह दिया कि कनाडा की नागरिकता वाले सिख अलगाववादियों को धमकाने के लिए पंजाब के लॉरेंस विश्नोई गेंग का इस्तेमाल भारत की ओर से हो रहा है। अब भले ही इस मामले में कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किए जा रहे हों, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत शक के दायरे में तो आता दिख ही रहा है। इससे अलगाववादी ताकतों को ही बल मिलेगा और आज नहीं तो कल ये ताकतें कनाडा समेत अन्य देशों के गले की फांस भी बनते देर नहीं लगाएंगी। यदि ऐसा नहीं है तो क्या कारण है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कनाडा की सड़कों पर भारत विरोधी प्रदर्शन होते हैं और नारे लगाए जाते हैं। यही नहीं भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी लगाकर दिखाई जाती है और कनाडा का शासन-प्रशासन मूक दर्शक बना सब होते हुए देखता रहता है। कुछ ऐसा ही नजारा अमेरिका और ब्रिटेन में भी देखने को मिले। अब इसका विस्तार अन्य और देशों में भी हो सकता है, क्योंकि साझेदार देशों में इसे लेकर संवेदनशीलता तो देखने को मिलती ही है। आगे चलकर यदि ऐसा ही कुछ ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी देखने को मिले तो हैरानी नहीं होगी, क्योंकि इन देशों में सिख प्रवासियों की संख्या अच्छी खासी है। इस पर भारत सरकार को गौर करने की आवश्यकता है। इससे पहले कि मामला हाथ से निकले और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसे लेकर सियासत शुरु हो बातचीत के लिए एक माहौल तैयार करने की आवश्यकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि कनाडा ने न केवल अमेरिका को इस घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी है, बल्कि अपने साझेदार अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक कर उन्हें भी यथास्थिति से अवगत कराने का बड़ा काम कर दिया है। इसलिए आशंका है कि भविष्य में भारत के इन देशों से भी रिश्ते पटरी से उतरते दिख सकते हैं। अंततः भारत के पड़ोसी देशों में जिस तरह के हालात बने हैं, उन्हें देखते हुए भारत को और मुल्कों से संभलकर रिश्ते कायम रखने होंगे।

आधुनिक तरीके से करें मिर्च की खेती

सब्जियों में मिर्च अपने तीखेपन के लिये जानी जाती है। लेकिन रतलाम जिले के ग्राम सिमलावदा निवासी किसान श्री कंवरा के लिये मिर्च की खेती कामयाबी का साधन बन गई।

रतलाम जिले के किसान कंवरा के परिवार के पास लगभग 160 बीघा जमीन है। उनका परिवार परम्परागत रूप से दो फसलों के साथ-साथ कुछ सब्जी भी अपने खेतों में भी लगा लिया करता था। खेतों में पानी अधिक लगने के कारण हमेशा उनके खेत में सिंचाई की दिक्कत बनी रहती थी। खेतों में कम उत्पादन के कारण उनका परिवार आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहा था।

कुछ समय पहले सिमलावदा गाँव में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने दौरा किया। गाँव के किसानों ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामने सब्जी के उत्पादन में पानी अधिक लगने की बात रखी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये सिंचाई के ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप सिस्टम से कम पानी में पूरे खेत की अच्छे तरीके से सिंचाई की जा सकती है। किसान कंवरा ने कृषि सलाह के अनुसार अपने खेत में ड्रिप सिस्टम की स्थापना की। उन्होंने दी गई सलाह के अनुसार 6 इंच ऊंची एक फीट चौड़ी बेड्स पूरे खेत में तैयार कर ली। उन्होंने अपने खेत में हाईब्रिड मिर्च के पौधे 40 से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर रौपे। किसान कंवरा ने पूरे सीजन के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह को माना और सलाह अनुसार काम किया। आज उनके खेत में मिर्च उत्पादन काफी बढ़ गया और मिर्च की उन्नत किस्म उत्पादन के रूप में मिली।

किसान कंवरा बताते हैं ड्रिप संयंत्र लगने के पूर्व जहां उन्हें प्रति बीघा 9 क्विंटल ही लाल मिर्च का उत्पादन प्राप्त होता था वहीं अब प्रति बीघा लगभग 12 क्विंटल मिर्च का उत्पादन मिल रहा है। आज वे अपने खेत में 140 बीघा जमीन पर मिर्च लगा रहे हैं।

किसान कंवरा मानते हैं कि उद्यानिकी एवं कृषि विभाग की खेती-किसानी के संबंध में दी जा रही आधुनिक सलाह को माना जाये तो कृषि उत्पादन को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। आज उनकी पहचान आसपास के गाँव में प्रगतिशील कृषक के रूप में होती है। सब्जी उत्पादन से मिली आर्थिक तरक्की से उनके परिवार के जीवन में बदलाव आया है। वे अब खेती-किसानी में और नई-नई तकनीकों का इस्तमाल कर रहे हैं।

फूलों की खेती फायदे का सौदा

देश में इन दिनों फूलों की वार्षिक घरेलू माँग 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार 90,000 करोड़ रुपये का है जो हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय बागवानी बोर्ड के अनुसार फूलों की खेती से संबंधित उत्पादों से कुल आय 205 करोड़ की है। जिसमें 105 करोड़ प्रंपरागत फूलों से है और 100 करोड़ आधुनिक फूलों से है। भारत में फूलों का निर्यात करने वाली 300 से अधिक इकाइयाँ है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की रिपोर्ट के औसर भारत में वर्ष 2007-08 में 160.7 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती हुई है इस वर्ष छील्न के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। आइये जाने भारत में उगने वाले प्रमुख फूलों की देखरेख के तरीके:

एन्थुरियम:

रोपाई: 30 गुणा 30 सेमी की दूरी पर तिकोनी जगह में। कटाई का चरण: छड़ का कड़ा होना, पर 1/3 से 3/4 फूल खिला होने पर।

पैदावार: 2 से 3 फूल हर पौधे से पहले साल में जो की बढ़कर 4 से 6 दूसरे साल और 6 से 8 तीसरे साल तक हो जाती है। गुलदस्ते में उम्: 22 से 23 दिन

जरवेरा:

रोपाई: 35 गुणा 45 सेमी की दूरी पर। जनवरी, फ़रवरी बेहतर है जड़े के लिए और जून, जुलाई गर्मी के लिए।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों के पूरा खुल जाने पर

पैदावार: 200 से 250 फूल प्रति वर्ग मीटर हर साल

गुलदस्ते में उम्र: 7 से 8 दिन

ऑरकिड

रोपाई: कटाई का चरण: जब फूल की आधी पंखुड़ीयाँ खुल चुकी हों

पैदावार: 2 से 3 छड़ प्रति पौधे से और 5 से 6 छड़ तीसरे साल से

गुलदस्ते में उम्र: 12 से 21 दिन किस्म के प्रकार पर निर्भर

टीयूब रोज (गुलाब)

रोपाई: फ़रवरी मार्च में मैदानी में, अप्रैल, मई में पहाड़ों पर। 20 से 25 सेमी की दूरी पर 5 से 7 सेमी के गढ्ढे में

पैदावार: 2 से 6 फूल हर पौधे से

गुलदस्ते में उम्र:6 से 8 दिन

गुलाब

रोपाई: अक्टूबर से अप्रैल की शुरुआत तक। 60 गुणा 60 सेमी की दूरी पर।

कटाई का चरण: एक दो पंखुड़ियों के खिलते ही।

पैदावार: 15 से 30 हर पौधे से।

गुलदस्ते मे उम्र: 4 से 7 दिन

मॉरीगोल्ड

रोपाई- साल के किसी भी समय 40 गुणा 40 सेमी

कटाई का चरण: पूरा आकर का होने पर

पैदावार: 11 से 18 टन / हेक्टेयर

गुलदस्ते में उम्र: 2 से 4 दिन

ग्लैदोलस

रोपाई: जुलाई या दिसंबर मे 30 गुणा 20 सेमी की दूरी और । सेमी गहरे गड्ढे में।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों में रंग आने पर।

पैदावार: 10,000 से 15,000 छड़े। गुलदस्ते में उम्र: 14 से 21 दिन, 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में।

अब सूरज सा चमकेगा खेत

आपने भी कभी किसी हाइवे से गुज़रते हुए या ट्रेन में सफ़र करत हुए चमकते हुए सूरजमुखी के पीले फूलों के खेत को देखा होगा, ये नज़ारा आपकी आँखों को दो पल के लिए सुकून ज़रूर देता होगा, पहले यह फसल एक फूल के रूप में ही उगाई जाती थी, वनस्पति उत्पादक असोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार हमरे देश में सूरजमुखी 38,8000 हेक्टेयर भूमि में उगाया जाता है। इसमें 40-50 प्रतिशत अच्छे किस्म का तेल होता है, सूरजमुखी का तेल पीले रंग का होता है तथा व्यंजनो को पकने में प्रयोग किया जाता है यह तेल हाइड्रोजिनेटेड तेल बनाने के काम भी आता है, इसके लिए तेल में 40-44 प्रतिशत अच्छी किस्म का प्रोटीन होता है।

इसकी खेती हल्की से भारी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है, लेकिन मध्यम किस्म की भूमि अधिक उपयुक्त रहती है मिट्टी का पीएच मान 6-5 से 8-5 इसकी सफल पैदावार के लिए उपयोगी होती है खेत से जल निकास का प्रबंध हों आवश्यक है, पिछ्ली फसल की कतई के बाद मिट्टी पलटने वाले हाल से एक जुताई करें। बाद में अच्छे अंकुरन के लिए भूमि की दो से तीन बार जुताई करें। इसके बाद पाटा सुहागा लगाकर बुआई के लिए खेत तैयार करें।ध्यान रहे कि खेत में ढेले न रहें, सूरजमुखी की फसल को साल में तीन बार बोया जा सकता है। खरीफ मौसम में अधिक उपज हेतु इसकी बुआई अगस्त माह में करें, रबी में मध्य अक्टूबर से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक व बसंत कालीन बुआई के लिए जनवरी से फ़रवरी अंत का समय उत्तम है।

एक हेक्टेयर की बुआई के लिए संकर किस्म का बीज 4-5 किलोग्राम, उनन्त किस्म का 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को 4-6 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए उपर तैरने वाले थोथे बीजों को अलग निकाल देना चाहिए, भिगोये गये बीज को छाया में सूखा लें।

बीज जनित बीमारियों की रोकथाम एवं अच्छे अंकुरन के लिए बुआई से पूर्व बीज को 2-3 ग्राम थाईरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई हाल द्वारा व चौव कर भी की जा सकती है, उन्नत किस्मों को कतारों में 45 सेमी तथा संकर क़िस्मों को 60 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा पौधे से पौधे की दूरी 20-30 सेमी रखें। बीज को भूमि की नामी अनुसार 3-5 सेमी गहरा बोएँ, बुआई के 15-20 दिन बाद घने पौधे उखाडकर पौधों के बीच निश्चित दूरी रखें।

बुआई के 15-20 दिन बाद खरपतवार निकाल दें इसी समय पौधों की छ्टयी कर पौधे से पौधे की दूरी सिर्फ़ आवश्यकता अनुसार करे तथा खरपतवरों को समय-समय पर नष्ट करें। रसायनों द्वारा कहरपतवरों के नियंत्रण हेतु एलकलोर 1-5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर बुआई के एक दिन बाद च्चिड़काव करें या 750 ग्राम फ्लुफलोरेलीन प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोकर बुआई के एक दिन पहले खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह मिट्टी में मिलाएँ। यदि अधिक बढ़ने वाली किस्म बोई जाती है तो फसल को गिरने से बचाने के लिए कलियाँ बनते समय पौधे पर मिट्टी चढ़ाएँ, बुआई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद भूमि में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही करें। यदि किसी कारणवश मिट्टी परीक्षण नही करवा पाते हो तो सिंचित फसल में 60-80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटॅश 80-125 किलोग्राम उरिया, 130 किलोग्राम मूरेट ऑफ पोताश प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी मात्रा बुआई करते समय बीज के नीचे क़तारों में डाले। फॉस्फोरस की मात्रा की सिंगल सुपर फॉसफेट द्वारा पूर्ति किए जाने पर वांच्छित मात्रा में गंधक की भी आपूर्ति हो जाती है जो कि तिलानी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ता है फूल आने के समय सिचाई करना ज़रूरी होता है प्रथम सिचाई बुआई के एक माह बाद व अन्य सिचाई 20-25 दिन के अंतराल से आवश्यकतानुसार करे, फूल आने के समय एक हल्की सिचाई अवश्य करें। यदि वर्षा अच्छी हो जाए तो खरीफ मौसम की फसल को एक भी सिचाई की।

मूडीज ने बजाज फाइनेंस को पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी

नई दिल्ली । वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) को स्थिर दृष्टिकोण के साथ निवेश 'ग्रेड' का संकेत देते हुए पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी है। मूडीज के बयान का हवाला देते हुए बीएफएल ने कहा` कि कंपनी की रेटिंग उसकी मजबूत तथा स्थापित फ्रेंचाइजी को भारत में सबसे बड़ी खुदरा उन्मुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में मान्यता देती है, जिसके पास बड़ा ग्राहक आधार तथा वितरण नेटवर्क है। इसमें विविधतापूर्ण ऋण पुस्तिका जो इसके उच्च जोखिम-समायोजित लाभप्रदता का समर्थन करती है। इसका पूंजीकरण तथा इसकी प्रतिस्पर्धी वित्त पोषण लागत शामिल है। इसमें कहा गया है कि बीएफएल संभवतः बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखेगी। जून 2024 तक 3500 अरब रुपये (42 अरब अमरीकी डॉलर) के प्रबंधन के तहत समेकित परिसंपत्तियों के साथ अपनी पहले से ही बड़ी फ्रेंचाइजी को और बढ़ाएगी।

विप्रो का तिमाही मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़कर 32.3 अरब

मुंबई । सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली विप्रो लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल मुनाफा इसके पिछले वर्ष की समान तिमाही के 26.7 अरब रुपये के मुकाबले 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 32.3 अरब रुपये पर पहुंच गया। विप्रो ने हाल ही में निदेशक मंडल की बैठक के बाद स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 32.3 अरब रुपये का सकल मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 26.7 अरब रुपये से 21 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी आय 232.5 अरब रुपये से बढ़कर 232.6 अरब रुपये पर पहुंच गई।

गोवा में धान की खेती को बढ़ावा देने किसानों को रियायतें दे रही राज्य सरकार

पणजी । गोवा में किसानों के लिए धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने कई उपाय लागू किए हैं। राज्य के एक कृषि अधिकारी ने बताया कि अब 23,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। 10,000-12,000 किसान सक्रिय रूप से इसकी खेती में लगे हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती श्रम लागत तथा कुछ अन्य कारक राज्य के धान उत्पादकों के लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि अधिक किसानों को धान की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने इस फसल के लिए सब्सिडी तथा सुनिश्चित न्यूनतम मूल्य की पेशकश करते हुए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। गोवा एकमात्र ऐसा राज्य है जो सामुदायिक खेती से जुड़ी पहल के तहत प्रति हेक्टेयर 2.5 लाख रुपये का वित्तीय लाभ देता है। उन्होंने कहा कि बीज खरीदने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है, जबकि खरपतवार हटाने के लिए 15,000 रुपये प्रति हेक्टेयर मंजूर किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने मैक्सिकों की कंपनियों को आमंत्रण दिया

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मैक्सिको की कंपनियों से स्टार्टअप तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशने और भारत की व्यापार अनुकूल नीतियों का लाभ उठाने का आग्रह किया। ग्वाडलजारा (मैक्सिको) के चैंबर ऑफ कॉमर्स में 'टेक लीडर्स राउंडटेबल' में अपने संबोधन में सीतारमण ने समान अर्थव्यवस्थाओं के लिए अवसरों तथा जिम्मेदारियों पर जोर दिया और बताया कि कैसे भारत तथा मैक्सिको एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैक्सिको निकटवर्ती देशों के साथ सहयोग के जरिये समृद्ध हो रहा है।

इसके परिणामस्वरूप बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच सहयोग हुआ है तथा प्रतिभाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ जोखिम कम करने के लिए संयुक्त प्रयास भी संभव हो पाए हैं।वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, '' केंद्रीय वित्त मंत्री ने 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम करते हुए भारत में तेजी से हो रहे बदलाव पर प्रकाश डाला। भारत तथा मैक्सिको के बीच वृद्धि एवं सहयोग के नए क्षेत्रों का हवाला देते हुए, उन्होंने उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना के संबंध में की गई प्रमुख बजट घोषणा का उल्लेख किया। स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम मेधा (एआई), कृषि तथा टिकाऊ शहरों के क्षेत्रों में काम करने के लिए भारत में हाल ही में पहचाने गए तथा घोषित सीओई के बारे में जानकारी साझा की।उन्होंने कहा कि भारत तथा मैक्सिको स्टार्टअप के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग के जरिये इन क्षेत्रों में मिलकर काम करने की संभावनाएं तलाश सकते हैं।मंत्रालय ने कहा, '' केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियां सिर्फ वृद्धि तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अंतर को पाटना तथा सभी के लिए अवसर उत्पन्न करना भी जरूरी है। इसके लिए जिम्मेदार पूंजीवाद की जरूरत है। ग्वाडलजारा स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मुख्यालय (लैटिन अमेरिका) की यात्रा के दौरान वित्त मंत्री ने प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की।टाटा समूह के मानद चेयरमैन एवं वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा का नौ अक्टूबर को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

अब डिलीवरी ब्वॉय और पार्ट टाइम कर्मचारियों को मिलेगा बीमा और पेंशन!

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार सभी केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब फूड डिलीवरी या कैब सर्विस से जुड़ी ऐप्स के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को सरकार बड़ा तोहफा दे सकती है। बताया जा रहा है` कि सरकार गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म आधारित नौकरियां करने वालों को बीमा और पेंशन मिलने जैसी व्यवस्था चालू करने की तैयारी कर रही है। हालांकि इसको लेकर केंद्र की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आई है। श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना है कि इस कानून के बनने के बाद 10 करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। खासकर ओला, उबर, अमेजन, फ्लिपकार्ट या जोमैटो जैसी कंपनियों में पार्ट टाइम जॉब करने वाले लोगों को इससे सीधा फायदा पहुंचेगा। आपको बता दें कि देश के कई राज्यों में इस कानून को लागू करने के लिए लगातार मांग उठ रही है। पिछले साल राजस्थान सरकार ने भी अपने राज्य में गिग वर्कर्स अधिनियम 2023 कानून लागू किया था। महाराष्ट्र में भी इस तरह का कानून की बात हो रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक: अजय बंगा

वाशिंगटन । विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं।' विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है` कि जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है। वहीं विश्व बैंक की प्रबंध निदेशक (परिचालन) एन्ना बेर्डे ने कहा कि बैंक सरकार को वृद्धि को रोजगार तथा टिकाऊ विकास में बदलने में सहायता कर रहा है। उन्होंने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि भारत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 218 , निफ्टी 104 अंक बढ़ा , बैंकिंग और वाहन शेयरों में रहा उछाल

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वाहन शेयरों में तेजी के बल पर आया है। इसके साथ ही गत तीन दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। दिन भर के कारोबार के बाद अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 218.14 अंक करीब0.27 फीसदी बढ़कर 81,224.75 अंक पर बंद हुआ। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 104.20 अंकों तकरीबन 0.42 फीसदी उछलकर 24,854.05 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और एनटीपसी के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, जेएसडब्लयू स्टील, एसबीआईढ्ढ, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, रिलायंस और एमएंडएम के शेयर भी लाभ में रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नीचे आये। इंफोसिस, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एचयूएल , टाइटन, आईटीसी, मारुति, पावर ग्रिड, बजाज फाइनैंस और इंडसइंड बैंक के शेयर भी नीचे आये।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 7,421.40 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी निवेशकों के पैसा निकालने से बाजार की शुरुआत कमजोर हुई और सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 570.45 अंक नीचे आकर साथ 80,436.16 अंक पर आ गया था।

वहीं इसी प्रकार से निफ्टी भी 178.3 अंक टूटकर 24,571.55 अंक पर आ गया था। मगर दोपहर बाद के सत्र में हुई जबरदस्त रिकवरी से बाजार उबरकर लाभ में आ गया।

विलय के बाद भी विस्तारा का उड़ान के दौरान मिलने वाला अनुभव समान रहेगा: एयर इंडिया

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि विलय के बाद विस्तारा के मार्ग तथा समय सारणी के साथ-साथ उड़ान के दौरान मिलने वाला अनुभव समान ही रहेगा। विस्तारा के विमानों से संचालित उड़ानों का कोड एआई2 होगा। दोनों पूर्ण सेवा वाहकों का विलय 12 नवंबर को पूरा होने वाला है, जिसके बाद सिंगापुर एयरलाइंस की नई इकाई में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। विस्तारा टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का संयुक्त उद्यम है। विलय के बाद, एकीकृत इकाई के फ्रीक्रेंट फ्लायर कार्यक्रम के जरिये विंटेज महाराजा को बरकरार रखा जाएगा। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि क्लब विस्तारा के मौजूदा सदस्यों को एयर इंडिया के फ्लाइंग रिटर्न्स कार्यक्रम में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

इस विलय के साथ फ्लाइंग रिटर्न्स भी एक नए अवतार महाराजा क्लब में परिवर्तित हो जाएगा। विलय के बाद भी विस्तारा द्वारा प्रदान किया गया अनुभव ग्राहकों के लिए समान रहने की बात दोहराते हुए एयर इंडिया ने कहा कि विस्तारा की पहचान चार अंकों वाले एक विशेष एयर इंडिया कोड से होगी जिसकी शुरुआत अंक '2' से होगी। बयान में कहा गया है कि उदाहरण के लिए 'यूके 955' 12 नवंबर के बाद एआई 2955 बन जाएगा, जिससे बुकिंग के समय ग्राहकों को उनकी पहचान करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उसने कहा कि विस्तारा विमानों द्वारा संचालित मार्ग तथा समय सारणी वही रहेगी। साथ ही एयरलाइन का उड़ान के दौरान का अनुभव भी समान रहेगा। कुछ हलकों में इस बात को लेकर चिंता है कि क्या विलय के बाद विस्तारा के यात्रियों को अब पहले जैसी ही सेवाएं मिलती रहेंगी, क्योंकि परिवर्तन के दौर से गुजर रही एयर इंडिया को हाल के दिनों में सेवा संबंधी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

आरएसआईआईएल को महाराष्ट्र में 4,700 करोड़ की परियोजनाओं का मिला ठेका

नई दिल्ली ।

रोडवेज सॉल्यूशंस इंडिया इंफ्रा लिमिटेड (आरएसआईआईएल) को महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड (एमएसआरडीसी) से पुणे रिंग रोड के साथ-साथ जालना-नांदेड़ एक्सप्रेसवे की 4,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का ठेका मिला है। बुनियादी ढांचा कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि पुणे रिंग रोड परियोजना का मकसद पुणे महानगरीय क्षेत्र में संपर्क को बढ़ाना, बढ़ती यातायात मांगों को पूरा करना और क्षेत्रीय आर्थिक विकास में योगदान देना है। इस परियोजना से यात्रा में लगने वाले समय में काफी कमी आने और यात्रियों की सुरक्षा में सुधार होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, कंपनी ने कहा कि जालना-नांदेड़ एक्सप्रेसवे इन दो महत्वपूर्ण शहरों के बीच सुगम परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। आरएसआईआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारा ध्यान भारत के परिवहन संपर्क में योगदान देने पर है। साथ ही अपने सभी प्रयासों में स्थिरता तथा नवीनता सुनिश्चित करना है। आरएसआईआईएल महाराष्ट्र के पुणे स्थित एक बुनियादी ढांचा कंपनी है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था 4.6 फीसदी दर से बढ़ी

हांगकांग। चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो अपेक्षा से कम है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि धीमी हो रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही में अपेक्षा से कम 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो 2024 के लिए निर्धारित किए, करीब पांच प्रतिशत ' की वृद्धि के आधिकारिक लक्ष्य से कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने बयान में कहा` कि जटिल तथा गंभीर बाहरी वातावरण और जटिल घरेलू आर्थिक वृद्धि के बावजूद अर्थव्यवस्था सामान्य रूप से स्थिर व निरंतर प्रगति कर रही है। वर्ष 2022 के अंत में कोविड-19 वैश्विक महामारी से जुड़ी पाबंदियां हटाए जाने के बावजूद अर्थव्यवस्था सुस्त बनी हुई है। उपभोक्ता विश्वास कम है और रियल एस्टेट बाजार अर्थव्यवस्था पर बोझ बना हुआ है। वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में चीन की वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रही। तिमाही आधार पर सितंबर में समाप्त तिमाही में अर्थव्यवस्था 0.9 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पिछली तिमाही में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। चीन का कारखाना उत्पादन पहली तीन तिमाहियों में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि खुदरा बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.3 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, संपत्ति निवेश में 10.1 प्रतिशत की गिरावट आई और नए मकानों की बिक्री का मूल्य 22.7 प्रतिशत घटा जो आवास क्षेत्र में कमजोर रुख को दर्शाता है। इस सप्ताह की शुरुआत में चीन ने बताया था कि सितंबर में उसके निर्यात में काफी कमी आई है, जो पिछले साल की तुलना में केवल 2.4 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त में सालाना आधार पर इसमें 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आयात भी कमजोर रहा और इसमें केवल 0.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो अनुमान से कम है।

रिलायंस मदरकेयर के साथ ज्वाइंट वेंचर बनाएगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी खुदरा विक्रेता कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ने माता-पिता और छोटे बच्चों के लिए उत्पादों के क्षेत्र में वैश्विक विशेषज्ञ मदरकेयर पीएलसी के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की घोषणा की है। रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्रांड्स होल्डिंग यूके लिमिटेड (आरबीएल यूके) संयुक्त उद्यम बनाएगी, जो मदरकेयर ब्रांड और भारत तथा पड़ोसी बाजारों- नेपाल, श्रीलंका, भूटान और बांग्लादेश से संबंधित इसकी बौद्धिक संपदा परिसंपत्तियों का स्वामित्व रखेगी। हाल ही में जारी संयुक्त बयान के अनुसार समझौते के तहत आरबीएल यूके संयुक्त उद्यम में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी, जबकि मदरकेयर ग्लोबल ब्रांड लिमिटेड शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने पास रखेगी। आरबीएल यूके 1.6 करोड़ पाउंड की नकद कीमत पर हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। बयान के अनुसार यह संयुक्त उद्यम निर्दिष्ट दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में मदरकेयर ब्रांड की फ्रेंचाइजी के रूप में कार्य करेगा, जिससे दोनों संगठनों की ताकत का लाभ उठाते हुए वृद्धि के नए अवसर खुलेंगे। रिलायंस ब्रांड्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मदरकेयर वर्षों से भारत में माता-पिता के लिए एक विश्वसनीय नाम रहा है और यह संयुक्त उद्यम हमारी साझेदारी में एक रोमांचक नया अध्याय शुरू करता है। रिलायंस ब्रांड्स ने सबसे पहले 2018 में भारतीय बाजार के लिए ब्रिटेन स्थित मदरकेयर ब्रांड के अधिकार हासिल किए और वर्तमान में ई-कॉमर्स मंच पर मजबूत उपस्थिति के अलावा 25 शहरों में 87 स्टोर संचालित करती है।

लिस्टिंग के बाद जोमेटो पहली बार जुटाएगी फंड

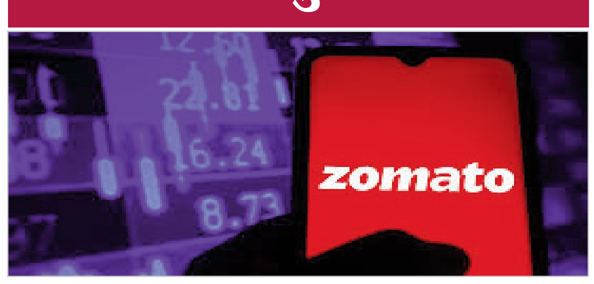

नई दिल्ली ।

फूड डिलीवरी सेक्टर की प्रमुख कंपनियों में से एक जोमैटो 30 सितंबर को समाप्त होने वाली वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा से पहले क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से धन जुटाने पर विचार कर रही है।

कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने यह खुलासा नहीं किया है कि वह कितनी राशि जुटाने की योजना बना रही है। एक्सचेंज फाइलिंग में जोमैटो ने कहा कि यह सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक मंगलवार, 22 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने पर विचार किया जाएगा। धन जुटाने की यह कवायद शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो यह फूड डिलीवरी कंपनी द्वारा तीन साल पहले शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद पहली बार फंड जुटाने की प्रक्रिया होगी। इसके अतिरिक्त बोर्ड 22 अक्टूबर, 2024 को वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की भी घोषणा करेगा। बीएसई पर गुरुवार को जोमैटो के शेयर 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 270.65 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। फूड एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म जोमैटो द्वारा फंड जुटाने की यह कवायद एक ऐसे समय शुरू करने की जा रही है जब फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। जोमैटो की प्रतिद्वंद्वी स्विगी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी कर रही है। बेंगलुरु स्थित इस कंपनी ने खुलासा किया है कि वह आईपीओ के माध्यम से 45 करोड़ डॉलर तक की नई पूंजी जुटाने की योजना बना रही है।

अगर कर्जदाता काम करने को तैयार तो उन्हें पूरा पैसा लौटा दिया जाएगा: बायजू

नई दिल्ली ।

संकटग्रस्त शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने कहा कि अगर कर्जदाता उनके साथ काम करने को तैयार हैं तो वह उन्हें पूरा पैसा लौटाने को तैयार हैं। मीडिया से बातचीत में रवींद्रन ने कहा कि अगर कंपनी के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया जारी रहती है तो कर्जदाताओं को कोई पैसा नहीं मिलेगा। रवींद्रन ने कहा` कि अगर वे मेरे साथ काम करने को तैयार हैं, तो मैं एक भी रुपया निकालने से पहले उन्हें पैसे वापस देने को तैयार हूं। हमने 14 करोड़ डॉलर का भुगतान किया, लेकिन वे पूरे 1.2 अरब डॉलर चाहते थे, जो हमने पहले ही प्रतिबद्ध कर दिए थे या निवेश कर दिए थे। अधिकांश ऋणदाता समझौता करना चाहते थे, लेकिन एक या दो लोग इससे बहुत ज़्यादा लाभ कमाना चाहते थे। वर्तमान में, बायजू दिवाला कार्यवाही से गुजर रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) द्वारा अपने 158.9 करोड़ रुपये के बकाये की वसूली के लिए एनसीएलएटी से संपर्क करने के बाद दिवाला कार्यवाही शुरू हुई। कंपनी ने संपूर्ण बकाया राशि का भुगतान करने के बाद बीसीसीआई के साथ विवाद सुलझा लिया जिसके बाद एनसीएलएटी ने दिवाला कार्यवाही रद्द कर दी। हालांकि, अमेरिकी ऋणदाताओं ने अपने एजेंट ग्लास ट्रस्ट के माध्यम से एनसीएलएटी के आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी, जिसने बायजू के खिलाफ दिवाला कार्यवाही बहाल कर दी।

भारत /न्यूज़ीलैंड : भारत के 231 पर तीन आउट, अभी भी 125 रन पीछे

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन रचिन रविन्द्र (157 गेंदों पर 13 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 134 रन) के शतक की बदौलत 402 के स्कोर के साथ पहली पारी में भारत पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। न्यूजीलैंड के पास अब 356 रन की मजबूत बढ़त हैं। रचिन के अलावा डेवोन कॉनवे और टिम साउथी ने क्रमशः 91 और 65 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को 400 के पार पहुंचाया। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 3-3 विकेट अपने नाम किए। मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले जबकि अश्विन और जसप्रीत बुमराह के नाम 1-1 विकेट रहा।

भारत ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और सरफराज खान के अर्धशतकों की बदौलत तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट गंवाकर 231 रन बनाए। इस दौरान यशस्वी जायसवाल (35), रोहित शर्मा (52) और विराट कोहली (70) के विकेट गंवाए जबकि सरफराज खान क्रीज पर टिके रहे। टीम इंडिया अभी भी 125 रन पीछे है।

इससे पहले वर्षा प्रभावित टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (5) और विलियम ओरोर्के (4) की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत पहले टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गया। भारत की तरफ से 5 खिलाड़ी शून्य पर आउट हो गए जिसमें विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने मात्र 2 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 13 रन की पारी खेली जबकि ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी की शानदार शुरूआत की और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। इससे न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत पर 134 रन की बढ़त बना ली है। इस दौरान डेवोन कॉनवे (91) शतक से चूक गए।

भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन

चूंकि विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि सतह से उनके तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। इससे पहले बारिश के कारण पहले दिन खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था और टॉस भी नहीं हो सका।

प्रमुख कोच हथरुसिंघे पर गिरी गाज, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस कारण पद से हटाया

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम के प्रमुख कोच चंडिका हथरुसिंघे को दो दिन पहले हुए निलंबन के बाद पद से हटा दिया है। यह निलंबन मैदान पर मौजूद उनके व्यवहार और रोजगार शर्तों के उल्लंघन के आधार पर किया गया है।

बीसीबी के अध्यक्ष फारूक अहमद ने मंगलवार को कहा कि हथुरुसिंघे ने बंगलादेश के एक क्रिकेटर के साथ मारपीट की और अपने अनुबंध में उल्लेखित से अधिक छुट्टियां लीं। बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर कदाचार के दो मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। हथुरुसिंघे ने अगले दिन प्रतिक्रिया दी जिसके बाद गुरुवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई गई।

बीसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सभी कारकों पर विचार करने के बाद बोर्ड ने हथुरूसिंघे के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक और अस्वीकार्य माना। उनकी बर्खास्तगी तत्काल प्रभाव से लागू होती है।' बंगलादेश के कोच के रूप में हथुरुसिंघे का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो गया। उनका अनुबंध जनवरी 2025 तक था। फिल सिमंस को फरवरी 2025 में होने वाली आगामी चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है।

रणजी ट्रॉफी : सुदर्शन का दोहरा शतक, तमिलनाडु ने एक विकेट पर बनाए 379 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कप्तान हिम्मत सिंह को परिस्थितियों को सही से नहीं पढ़ पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे तमिलनाडु ने बी साई सुदर्शन के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन स्टंप तक एक विकेट गंवाकर 379 रन बना लिए।

सुदर्शन 202 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं, उन्होंने एन जगदीशन (101 गेंद में 65 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 168 रन तथा वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 96 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए अभी तक 211 रन की शतकीय साझेदारियां निभाईं। दिल्ली के कप्तान हिम्मत पिच पर बहुत घास होने के कारण सही फैसला नहीं कर सके जबकि यह सपाट निकली। इससे तमिलनाडु के बल्लेबाजों ने दिल्ली के गेंदबाजों की खूब धुनाई की।

नवदीप सैनी (17 ओवर में 65 रन देकर एक विकेट) और हिमांश चौहान (17 ओवर में 50 रन देकर कोई विकेट नहीं) ने शुरूआती स्पैल में प्रभाव डाला लेकिन सुदर्शन और जगदीशन ने खराब स्पिन गेंदबाजी पर तेजी से रन बटोरे। वहीं दिल्ली के टीम प्रबंधन ने बायें हाथ के स्पिनर सुमित माथुर को अंतिम एकादश में नहीं चुना जिन्होंने पिछले सत्र में अपने पदार्पण में 9 विकेट झटके थे।

गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी अपने खिलाड़ियों का खेल देख रहे थे और सुदर्शन के स्ट्रोक्स से वह प्रभावित दिखे। सुदर्शन ने दिन के अंत में हर्ष त्यागी पर तेजी से एक रन लेकर 249 गेंद में अपना दोहरा शतक पूरा किया। गुवाहाटी में एक अन्य मैच में असम ने चंडीगढ़ के खिलाफ पहले दिन स्टंप तक आठ विकेट गंवाकर 249 रन बना लिए।

राजकोट में छत्तीसगढ़ ने संजीत देसाई के नाबाद 81 और अमनदीप खरे के नाबाद 51 रन की बदौलत सौराष्ट्र के खिलाफ दो विकेट पर 236 रन बनाये। अहमदाबाद में ग्रुप के एक अन्य मैच में विराट सिंह के नाबाद 103 रन, ईशान किशन के 101 रन और नाजिम सिद्दीकी के 96 रन से झारखंड ने रेलवे के खिलाफ पांच विकेट पर 325 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की।

कोच श्रीजेश की देखरेख में भारतीय जूनियर टीम सुल्तान जोहोर कप में जापान के खिलाफ करेगी आगाज

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। ।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज पीआर श्रीजेश को भारत के नए जूनियर पुरुष हॉकी कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी परीक्षा का सामना शनिवार को यहां जापान के खिलाफकरना पड़ेगा, जब अंडर-21 टीम 12वें सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। इस 36 वर्षीय पूर्व गोलकीपर ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य जीतने के बाद खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कह दिया था। उन्होंने इसके तुरंत बाद जूनियर टीम की बागडोर संभाली जो सुल्तान जोहोर कम में चौथी बार चैम्पियन बनने के इरादे से मैदान में उतर रही है।

भारत ने मई 2023 में जूनियर एशिया कप में अपने आखिरी मुकाबले में जापान पर 3-1 से जीत हासिल की और 2022 के सुल्तान जोहोर कप में भी इस टीम को 5-1 से हराया था। कप्तान आमिर अली ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छी ट्रेनिंग कर रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं।'' उन्होंने कहा, ''पिछली बार जर्मनी से हारने के बाद, हम अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। इस बार हमारी तैयारी अच्छी है और हम प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।''

भारतीय टीम 2013, 2014 और 2022 में इस खिताब को जीत चुकी है। टीम इस स्पर्धा में चार बार दूसरे स्थान पर भी रही है। जापान के बाद भारतीय टीम 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन, 22 अक्टूबर को मेजबान

मलेशिया और फिर 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। भारत ग्रुप चरण में 25 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मुकाबला खेलेगा। लीग चरण में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें 26 अक्टूबर को फाइनल में भिड़ेंगी। भारतीय उपकप्तान रोहित ने कहा, ''हम सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ स्थिति में पहुंचने के लिए पिछले कुछ दिनों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''इस बार टीम में कई नए खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्साहित हैं। सभी खिलाड़ी अपने खेल में सुधार के साथ एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी नजरें इस प्रतियोगिता के साथ नवंबर में मस्कट में खेले जाने वाले जूनियर पुरुष एशिया कप पर भी हैं।'' पेरिस भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम योगदान निभाने के बाद श्रीजेश ने कहा था कि वह हमेशा से कोचिंग की महत्वाकांक्षा रखते थे और युवा पीढ़ी के खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर भारतीय हॉकी के राहुल द्रविड़ बनना चाहते थे। सीनियर टीम के कोच के रूप में काम करने से पहले द्रविड़ ने काफी समय तक अंडर-19 खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया था।

विराट 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने अपने 9000 रन पूरे कर लिए। विराट दूसरी पारी में 70 रन बनाकर आउट हुए जबकि उन्हें 9000 रन पूरे करने के लिए केवल 53 रनों की जरूरत थी। विराट के इस मैच से पहले 8947 रन थे। वह पहली पारी में शून्य पर आउट हुए लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अर्धशतक लगा दिया। विराट 9000 रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। इसके साथ ही वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन गये हैं। विराट ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

ऋषभ पंत के बाद यशस्वी जायसवाल भी बेंगलुरु टेस्ट में चोटिल

बेंगलुरु । न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहले टेस्ट में गुरुवार को विकेटकीपिंग करते समय घुटने में चोट लगने के कारण ऋषभ पंत को मैदान से बाहर जाना पड़ा और शुक्रवार को तेज कैच लेने के दौरान यशस्वी जायसवाल के अंगूठे में चोट लगने के बाद भारत की चिंता बढ़ गई। मैच के तीसरे दिन मोहम्मद सिराज के गेंदबाजी करते समय खड़े जायसवाल को डेरिल मिशेल के बल्ले से एक किनारा लगा जो भारतीय सलामी बल्लेबाज की तरफ गया। उन्होंने तुरंत मुंह बनाया और हाथ हिलाया, फिर उन्हें चिकित्सा के लिए मैदान से बाहर ले जाया गया। जायसवाल की जगह अक्षर पटेल को मैदान में उतारा गया। हालांकि बाद में जायसवाल अपने बाएं अंगूठे पर भारी टेप लगाकर मैदान पर लौटे, जिससे भारत की चिंता कम हुई। इससे पहले शुक्रवार को खेल शुरू होने से पहले बीसीसीआई ने घोषणा की कि पंत अपनी चोट के बढ़ने के किसी भी जोखिम से बचने के लिए मैदान से बाहर रहेंगे, जो दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना के बाद उनके घुटने का ऑपरेशन किया गया था। ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग करना जारी रखेंगे। गुरुवार को स्टंप्स के बाद रोहित ने कहा था, 'गेंद सीधे उनके घुटने पर लगी, जिस पैर की सर्जरी हुई थी। इसलिए उस पर थोड़ी सूजन है। इस समय मांसपेशियां थोड़ी नरम हैं। यह एहतियाती उपाय है।' पंत की चोट पर बीसीसीआई के अपडेट में कहा, 'मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।' इस बीच न्यूजीलैंड ने रचिन रवींद्र के शतक और टिम साउथी (65) के तेज अर्धशतक की बदौलत 402 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की लीड हासिल की।

नोमान अली का कहर, पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रन से हराया

मुल्तान (एजेंसी)। बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद नोमान अली (आठ विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 152 रन से हरा दिया है। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी कर ली। पाकिस्तान ने गुरुवार को दूसरी पारी में आगा सलमान के (63) अर्द्धशतक की मदद से 221 रन बनाकर इंग्लैंड़ को जीत के लिए 297 रनों का लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में 36 रन पर दो विकेट खोकर संकट से जूझ रही इंग्लैंड को आज नोमान अली ने 144 पर ढ़ेकर पाकिस्तान को 152 रन से जीत दिला दी।

आज सुबह के सत्र में एन अली ने जो रूट (18) को आउट इंग्लैंड को चौथा झटका दिया। इसके बाद 20वें ओवर में अली ने हैरी ब्रूक (16) को भी पवेलियन भेज दिया।

जेम्स स्मिथ (6), कप्तान बेन स्टोक्स (37), बाइडन कार्स (27), जैक लीच (एक) और शोएब बशीर (शून्य) को भी एन अली ने अपना शिकार बनाया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड की पूरी टीम को 33.3 ओवर में 144 रन पर समेट दिया। पाकिस्तान की ओर से नोमान अली ने 16.3 ओवर में 46 रन देकर आठ विकेट लिये। साजिद खान को दो विकेट मिले।

इससे पहले पाकिस्तान ने कामरान (118) रनों की शतकीय और सईम अयूब (77) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पहली पारी में 366 का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में इंग्लैंड के बेन डकेट (114) शतकीय पारी खेली। शेष कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और इंग्लैंड की पारी 67.2 ओवर में 291 रन पर सिमट गई। इसके बाद पाकिस्तान दूसरी पारी मे 221 रन ही बना सका हालांकि उसे पहली पारी के आधार पर 75 रनों की बढ़त मिली थी और उसने इंग्लैंड को जीत के लिए 297 रनों का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 33¬3 ओवरों में 144 पर सिमट गई। दोनों पारियों में नौ विकेट लेने वाले पाकिस्तान के गेंदबाज साजिद खान को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

अब टेस्ट क्रिकेटर खेलना चाहते हैं सैमसन

नई दिल्ली ।विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक भारतीय टीम के किसी भी प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। एकदिवसीय और टी20 में तो उन्हें अवसर मिल जाता है पर अब तक टेस्ट टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। इसी को देखते हुए ही अब सैमसन लंबे प्रारुप में भी जगह बनाना चाहते हैं और इसी कारण रणजी ट्रॉफी में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम टी20 में शानदार शतक से उनके हौंसले बुलंद हैं। सैमसन ने 40 गेंदों पर ही शतक लगाया था जोकि किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में दूसरा सबसे तेज शतक है। सैमसन अब कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी करना चाहते हैं। सैमसन ने कहा कि से मेरा मानना है कि मेरे पास लाल गेंद वाले क्रिकेट में सफल होने की भी क्षमता है। इसलिए मैं केवल सफेद गेंद वाले क्रिकेट तक ही सीमित नहीं रखना चाहता। मेरी इच्छा भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की है। दलीप ट्रॉफी से पहले, नेतृत्व समूह ने मुझे बताया था कि वे रेड-बॉल क्रिकेट के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं और इसे गंभीरता से लेने और अधिक रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहा था।

सैमसन ने कहा कि इस बार मेरी तैयारी अच्छी थी। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के बाद राजस्थान रॉयल्स अकादमी में राहुल द्रविड़ और जुबिन भरूचा से प्रशिक्षण लिया और अपने खेल पर काम किया। सैमसन ने कहा, दलीप ट्रॉफी में शतक से मेरा मनोबल बढ़ा है। यह देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ मैंने लगाया था। हाल ही में सैमसन ने दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने अनंतपुर में दूसरे और तीसरे राउंड में इंडिया डी के लिए खेला था। इसमें उन्होंने अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया।

आईपीएल में पोंटिंग के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पंजाब किंग्स

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इस बार मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के मार्गदर्शन में पंजाब किंग्स की टीम बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई रिकी पोंटिंग से 4 साल का करार किया है। पोटिंग पिछले सत सत्र से दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रहे थे। पोंटिंग के रहते पंजाब किंग्स का लक्ष्य लीग में आगे बढ़ना रहेगा। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले 2024 सत्र में जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, शशांक सिंह, आशुतोष शर्मा और सैम कुरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब देखना होगा कि इनमें से किन खिलाड़ियों को टीम अपने पास बरकरार रखती है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश ने कहा कि अभी तक पंजाब किंग्स मैनेजमेंट से उन्हें कोई संदेश नहीं मिला है। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर

मिलता है तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करुंगा। जितेश ने टीम मालकिन प्रीति जिंटा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह हमेशा सभी का ध्यान रखती हैं। गेम हारने के बाद भी वह सभी का समर्थन करती हैं। साथ ही कहा कि अगर अवसर मौका मिला तो वह पोंटिंग के साथ दोबारा काम करना चाहेंगे।

जितेश ने कहा कि जब मैं मुंबई इंडियंस के साथ था तब मैंने पोंटिंग के साथ काम किया है। मैं इस बात से अच्छी तरह जानता हूं कि वह किस तरह के हैं। मैंने उसके साथ अपने समय का आनंद लिया है। वह खेल पर बहुत केंद्रित रहते हैं। अगर मुझे पंजाब किंग्स द्वारा रिटेन किया जाता है, तो मैं वास्तव में रिकी पोंटिंग की कोचिंग के तहत खेलना चाहूंगा।

30 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार, वह एक नेता की भूमिका का आनंद लेते हैं और तभी उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है। उन्होंने कहा कि अगर पंजाब किंग्स मुझसे टीम का नेतृत्व करने के लिए कहती है तो मैं बहुत अच्छी तरह से तैयार हूं। मुझे लगता है कि एक लीडर के रूप में मैं काफी बेहतर तरीके से प्रदर्शन करने में सक्षम हूं।

ऑस्ट्रेलिया में जीत को इसलिए अहम मानते हैं ऋषभ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। ऋषभ के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है, ऐसे में उसके खिलाफ उसी की धरती पर जीत दर्ज करने से बेहतर कुछ नहीं रहेगा। ऋषभ का मानना है कि जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो आपको उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों से निपटना आना चाहिये। इसका कारण है कि वहां का माहौल अलग होता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में बेहद खतरनाक रहती है। वे नहीं चाहते कि आप जीतें, जिससे। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में खेलती है। वे आपको कुछ भी आसानी से नहीं देते हैं। वे आक्रामक क्रिकेट खेलते हैं। इसलिये उनके खिलाफ जीतने के लिए आक्रामक मानसिकता की ही जरुरत होती। अपने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गाबा टेस्ट में अपनी पारी की याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या कहूं पर मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। कुछ ऐसे प्रदर्शन होते हैं जिन्हें आप जीवन भर याद रखते हैं, उनमें से एक एक गाबा टेस्ट है। शुरुआत में मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह कितना अहम था। रोहित भाई वहां थे, और उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम्हें पता नहीं है कि तुमने क्या किया है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा कह रहा था, मैंने क्या किया है। मेरा लक्ष्य केवल मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, बाद में तुम्हें समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। अब, जब भी मैं लोगों को उस गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं, तो मैं समझता हूं कि उनका क्या मतलब था और यह कितना अहम था।

शाकिब अल हसन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, विदाई टेस्ट में खेलने पर बना सस्पेंस

स्पोर्ट्स डेस्क। शाकिब अल हसन ने कहा है कि ढाका में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट के स्थल की यात्रा करने की संभावना नहीं रखते हैं। शाकिब को पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में शामिल किया गया था, जो इस प्रारूप में उनका अंतिम प्रदर्शन होने वाला था। शाकिब ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक वेबसाइट से बातचीत में कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं आगे कहां जा रहा हूं, लेकिन यह लगभग तय है कि मैं घर नहीं जा रहा हूं।'

शाकिब ने पहले बांग्लादेश आने पर अपनी सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की थी, क्योंकि 5 अगस्त से अवामी लीग के नेताओं की गिरफ्तारी की गई है, जिस दिन उनकी सरकार ने 15 साल बाद सत्ता से इस्तीफा दे दिया था। शाकिब अपने गृहनगर मगुरा से संसद सदस्य थे। वह अशांति के दौरान कथित हत्या के लिए एफआईआर में नामित 147 लोगों में से एक थे। हालांकि मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन के अनुसार शाकिब पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें शाकिब के बारे में बीसीबी से कोई और निर्देश नहीं मिले हैं। बुधवार को टीम की घोषणा करते समय चयनकर्ता हन्नान सरकार ने कहा कि उन्होंने शाकिब को अधिकारियों से ÷ग्रीन सिग्नल÷ मिलने के बाद चुना है।

अशरफ ने कहा, 'हमें बीसीबी या क्रिकेट संचालन समिति से कोई और निर्देश नहीं मिले हैं। फिलहाल यह रुका हुआ है। वह दुबई में ट्रांजिट में है।' शाकिब को बांग्लादेश में सुरक्षित मार्ग का आश्वासन दिया गया था, बुधवार शाम से छात्रों ने उनके आगमन का विरोध करना शुरू कर दिया। खुद को 'मीरपुर छात्रो जनता' के रूप में पहचानने वाले एक समूह ने बीसीबी को सूचित किया कि वे स्टेडियम में शाकिब की उपस्थिति का विरोध करेंगे। बुधवार शाम को देर से शाकिब को कथित तौर पर दुबई में इंतजार करने के लिए कहा गया, जहां वह न्यूयॉर्क से ट्रांजिट कर रहे थे। हालांकि शाकिब की फ्लाइट गुरुवार शाम को है, लेकिन उनके ढाका आने की संभावना नहीं है।

इस बीच मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव आजाद मजूमदार ने कहा कि देश लौटने का फैसला शाकिब पर निर्भर है। मजूमदार ने कहा, 'शाकिब कभी भी बांग्लादेश लौट सकते हैं। यह उनका फैसला है कि वह यहां आएंगे या नहीं।' युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने एक बयान में कहा कि उन्होंने शाकिब को 'अप्रिय परिस्थितियों से बचने' के लिए घर वापस न लौटने की सलाह दी है। आसिफ ने कहा, 'मैंने शाकिब को किसी भी अप्रिय परिस्थिति से बचने के लिए

[बांग्लादेश] न आने की सलाह दी है। यह निर्णय खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश की छवि की रक्षा करने के लिए लिया गया है।'

जीवदया-गौसेवा संगठनों द्वारा गाय माता को राज्य माता बनाने और जीवन रक्षक सेवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों को राज्य सरकार के सामने रखा जाएगा

अहमदाबाद । श्री वीरमगाम खोडाढोर पांजरापोल संस्था में गुजरात राज्य के जीवदया प्रेमी मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल को गौमाता पोषण योजना लाने और अन्य जीवन-रक्षक निर्णयो के लिए गुजरात के सभी संघों और सभी जीवदया/गौसेवा संगठनों द्वारा सम्मानित किया जा रहा है । यह कार्यक्रम रविवार, 20 अक्टूबर 2024 को दोपहर 3 बजे श्री वीरमगाम खोडाढोर पांजरापोल संस्था में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में गुजरात के जीव प्रेमी एवं संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल पूरे गुजरात के जीव रक्षक/गौसेवा संगठनों का मार्गदर्शन करेंगे तथा ओगन विद में नये शेड का ऑनलाइन खतमुहूर्त, गौ पूजन, साथ ही समस्त महाजन द्वारा तैयार किये गये नये तालाबों का लोकार्पण एवं पट्टिका अनावरण करेंगे। भारत के दूरदर्शी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आदर्श वाक्य "एक वृक्ष माँ के नाम" के तहत वृक्षारोपण किया जाएगा और पशु हेल्पलाइन, राजकोट की पशु एम्बुलेंस के शुभारंभ सहित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

समस्त महाजन के मेनेजिंग ट्रस्टी डो. गिरीश शाह ने इस अवसर पर कहा कि गुजरात के जीवदया प्रेमी मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल को गौमाता पोषण योजना और अन्य जीवन-रक्षक निर्णय लेने के लिए रविवार, 20 अक्टूबर 2024 को वीरमगाम पंजरापोल से वीरमगाम पंजरापोल में सम्मानित किया जा रहा है। इस अवसर पर सम्पूर्ण गुजरात की जीवदया-गौसेवा संस्थाओं को प्रति पशु, दैनिक, स्थाई अनुदान रु. 30 रुपये की जगह 100 रुपये और गुजरात में भी महाराष्ट्र राज्य की तरह गाय को "राज्य माता" का दर्जा देने के लिए एक प्रेजेंटेशन होगा। इसके अलावा गौचर भूमि की रक्षा करने और गौचर के लिए इसका उचित उपयोग करने का प्रस्ताव किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक गौचर भूमि का उपयोग केवल पशुपालन के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, बूचड़खानों और गौशालाओं को आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के लिए 300 करोड़ रुपये का फंड आवंटित करने के साथ-साथ सहायता का समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी किया जाएगा। इसी प्रकार पर्यावरण की सुरक्षा के लिए गौचर

भूमि के लिए खतरा बने इस पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पौधे को हटाने का प्रस्ताव भी जीवदया प्रेमियों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसलिए, गुजरात की सभी भूमि से पागल बबूल (Prosopis juliflora) को पूरी तरह से हटाने की भी शुरुआत की जाएगी। राज्य के प्रत्येक गांव के लिए "1962 नि:शुल्क पशु चिकित्सा एम्बुलेंस" शुरू करने और प्रत्येक दस गांवों में ऐसी एक नि:शुल्क पशु एम्बुलेंस सेवा शुरू करने का भी प्रस्ताव होगा। 'राज्य पशु कल्याण बोर्ड' जनता और सरकार के बीच समन्वय का एक प्रमुख माध्यम है, इसे आगे लागू करने और इसके बजट में बढ़ोतरी का प्रस्ताव भी राज्य सरकार के सामने पेश किया जाएगा. 'गौ सेवा आयोग' को और अधिक क्रियाशील करने और इसका बजट बढ़ाने के लिए एक प्रेजेंटेशन भी दिया जाएगा। राज्य में अलग से "गौ मंत्रालय' स्थापित करने का भी प्रस्ताव होगा. यह भी पेश किया जाएगा कि राज्य के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में एक अधिकारी होना चाहिए जो पशु कल्याण के बारे में जानकार हो और पशु कल्याण मामलों में सहायता कर सके। राज्य में पंचगव्य आधारित प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने सहित अन्य प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

इस अवसर पर समस्त महाजन के केन्द्रीय मंत्री श्री मितल खेतानी ने कहा कि पूरे गुजरात के जीवदया प्रेमियों, गौ सेवकों एवं गौशालाओं एवं पिंजरों के प्रबंधकों द्वारा गौशालाओं, पिंजरों को स्वावलंबन की दिशा में परिवर्तित करने, गौ आधारित संस्कृति की पुनर्स्थापना, गौ -आधारित विकास, गौ आधारित कृषि-स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के संदर्भ में जन जागरूकता, गौ पालन, पशु संरक्षण पर विभिन्न कानूनों का निर्माण और मौजूदा कानूनों का सख्ती से कार्यान्वयन, गौ प्रजनन को बढ़ावा देना, गौशालाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, रखरखाव, पशु-पक्षियों का स्वास्थ्य, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग पर प्रतिबंध, गाँव के चरागाहों का विकास, देशी वृक्षों के रोपण में वृद्धि, आत्मा और विज्ञान का एकीकरण, मनुष्यों में पक्षियों और जानवरों के प्रति अधिक दया पैदा करना, वर्षा जल संचयन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता, फसल सुरक्षा के लिए अहिंसक-स्वदेशी उपाय, शाकाहार से संबंधित मुद्दों पर राज्य सरकार के समक्ष चर्चा की जाएगी।

सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में दिलीप पहुंचा मौत के करीब, तब पुष्पा के साथ उसके रिश्ते को मिली मजबूती

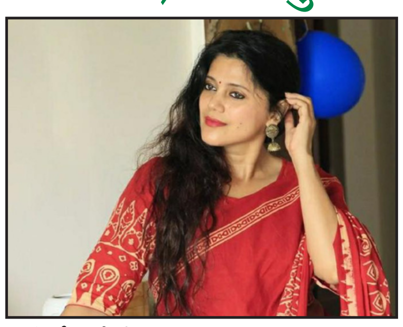

मुंबई। सोनी सब का 'पुष्पा इम्पॉसिबल' पुष्पा (करुणा पांडे) की प्रेरक यात्रा के साथ दिल जीत रहा है। वह एक दृढ़ निश्चयी महिला है, जो जीवन की बाधाओं को अपने आशावाद के साथ पार करती है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने पुष्पा और जुगल (अंशुल त्रिवेदी) को केवल दो सप्ताह में बड़ी संख्या में पटोला साड़ियों को बुनने की चुनौती लेते देखा है। हालांकि, यह जोड़ी चुनौती को पूरा करने में सफल रही और कानपुर में एक प्रतिष्ठित प्रदर्शनी में अपने लिए जगह बनाई।

आगामी एपिसोड में पुष्पा और जुगल लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समयसीमा को आधार बनाकर काम करते हैं। इस बीच पुष्पा को एक और समस्या का सामना करना पड़ रहा है - उसे आगामी प्री-बोर्ड परीक्षाओं के लिए उपस्थित होना होगा। उसे अपने पूर्व पति दिलीप पटेल (जयेश मोरे) से मदद और समर्थन मिलता है जो उसकी पढ़ाई में उसकी मदद करता है। इसके साथ ही दोनों के बीच समीकरण सकारात्मक हो जाता है क्योंकि पुष्पा दिलीप पर अपना भरोसा दिखाती है। हालांकि, यह परिस्थिति कम समय के लिए ही ऐसी रहती है। दिलीप को उसके धुर विरोधी चाकू मार देते हैं। उसे खून से लथपथ देखकर पुष्पा की जिंदगी में उथल-पुथल मच जाती है, वह सोचती है कि इसके पीछे कौन हो सकता है।

क्या पुष्पा अपराधी को ढूंढ पाएगी और दिलीप को बचा पाएगी?

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा, "पुष्पा और दिलीप का रिश्ता हमेशा से ही जटिल रहा है। जैसे-जैसे वे फिर से जुड़ने लगते हैं, पुष्पा के लिए यह पल खास तौर पर भावुक कर देने वाला होता है। जैसे ही वह उस पर फिर से भरोसा करना शुरू करती है। दिलीप को चाकू से घायल और खून से लथपथ देखकर वह अंदर तक हिल जाती है। यह घटनाओं का एक भयावह मोड़ है जो उसे हर चीज पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देता है, लेकिन पुष्पा की ताकत को सभी जानते हैं। वह यह पता लगाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है कि इस के लिए कौन जिम्मेदार है और वह न्याय के लिए लड़ेगी। आने वाले ये एपिसोड उसकी दृढ़ता की ऐसी परीक्षा लेने वाले हैं, जैसी पहले कभी नहीं हुई।"

सूरत में पांच दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया गया

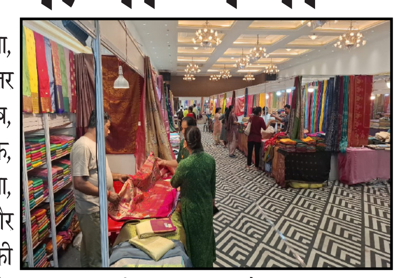

सुरत भुमि, सूरत। सूरत के सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में आठ दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया गया है। 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले नेशनल सिल्क एक्सपो में महिलाओं के रेशम, सूती साड़ियां, डिजाइनर एथनिक ड्रेस, ड्रेस सामग्री, होम लिनन आदि की एक ही जगह पर विविधता प्रदर्शित की जाएगी। 16 से 20 अक्टूबर तक चलने वाला नेशनल सिल्क एक्सपो सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। यहां सीधे बुनकरों की प्रदर्शनी और बिक्री होती है। सभी रेशम एवं सूती उत्पाद बुनकर मूल्य पर उपलब्ध होंगे। इसकी खासियत यह है कि इसमें आपको पूरे भारत के मास्टर बुनकरों और बेहतरीन डिजाइनरों का काम देखने को मिलेगा। दिवाली और करवा चौथ, त्योहारी सीज़न के लिए नए डिज़ाइन वाली विशेष साड़ियों और सूटों की नवीनतम विविधता उपलब्ध है। साथ ही 50 फीसदी तक की छूट भी दी जाएगी. विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन वाली अच्छी गुणवत्ता वाली साड़ियाँ, सूट और पोशाकें उपलब्ध हैं। कई राज्यों के बुनकरों द्वारा उत्पादित वस्त्रों के काउंटर एक ही स्थान पर लगेंगे। जिससे आपको अलग-अलग दुकानों में खरीदारी करने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। "अलग-अलग डिज़ाइन के अलग-अलग रेट हैं, इसलिए खरीदारी करने वाले लोग अपने बजट के अनुसार खरीदारी कर सकेंगे। ग्राहकों के पास डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड सहित कई भुगतान विकल्प होंगे।

बिहार, असम, उड़ीसा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश की लोकप्रिय किस्में और साड़ियाँ और पोशाक सामग्री राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। सिल्क एक्सपो. जिसमें अलग-अलग तरह के डिजाइन, पैटर्न, कलर कॉम्बिनेशन होते हैं। जिसमें गुजरात की डबल इक्कत हैंडलूम साड़ियां 15 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक उपलब्ध हैं, जो आठ महीने में तैयार हो जाती हैं. इसे दो बार बुना जाता है. तमिलनाडु की शुद्ध जरी वर्क वाली कांजीवरम साड़ी भी महिलाओं को आकर्षित करेगी। बनारस के बुनकर अपनी साड़ियों को नए जमाने के हिसाब से लोकप्रिय बनाने के लिए नए-नए प्रयोग करते रहते हैं। कभी-कभी वे बनारसी साड़ियों पर बैग प्रिंट करते हैं और अब वे बनारसी रेशम साड़ियों पर महाराष्ट्र पैठनी साड़ियों के रूपांकन बुनते हैं। वैसे, पारंपरिक बनारसी ज़री और कढ़वा बूटी साड़ियों से लेकर तनचोई सिल्क तक, इस सेल में रु. 1,000 से रु. कई वैरायटी 5,000 तक उपलब्ध हैं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने भारत के सबसे बड़े हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट सम्मेलन को अपना समर्थन दिया

अहमदाबाद। सोसाइटी फॉर हार्ट फेलियर एंड ट्रांसप्लांटेशन (स।स्नज्ञ) के सहयोग से इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (INSHLT) का 5वां वार्षिक सम्मेलन 18 से 20 अक्टूबर, 2024 को अहमदाबाद के क्लब बेबीलोन और शेरेटन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। यह हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांटेशन पर भारत का सबसे बड़ा सम्मेलन है, तथा इस आयोजन में दुनिया भर के बड़े-बड़े सर्जन और विशेषज्ञ इस क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने, प्रमुख चुनौतियों का समाधान निकालने और ट्रांसप्लांट चिकित्सा के भविष्य की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एकजुट होंगे।

इस सम्मेलन में हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, बेल्जियम, ब्रिटेन, जापान सहित कई अन्य देशों के प्रमुख सर्जन भाग लेंगे। इस सम्मेलन की थीम #LearnFromPioneers है, जहाँ उपस्थित लोगों को हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले विशेषज्ञों से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने का शानदार अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के एजेंडे में व्याख्यान, पैनल चर्चा और केस स्टडी को शामिल किया गया है, जिसमें रणनीतिक रूप से भारत में हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चर्चा के मुख्य बिंदुओं के रूप में अंगदान करने वाले लोगों की कमी, लंबी प्रतीक्षा सूची और ट्रांसप्लांट के बाद की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही, ट्रांसप्लांट के परिणामों को बेहतर बनाने वाली अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इन परिचर्चाओं के आधार पर भविष्य की राह तैयार होगी, जो देश भर में ट्रांसप्लांट कार्यक्रमों के निरंतर विकास और सफलता की नींव रखेगी।

अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना भी इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पहलू होगा। इस संदर्भ में रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 को एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सरकारी अधिकारी, मेडिकल कॉलेज तथा सीएचसी के प्रतिनिधि साथ मिलकर पूरे गुजरात में अंगदान की दरों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। यह बैठक अंगदान से जुड़ी पहलों के माध्यम से ज यादा-से-ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाने के लिए चिकित्सा समुदाय और सरकार के बीच अधिक सहयोग की तात्कालिक जरूरत पर बल देती है।

फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) देश भर में 77 नए तकनीक-सक्षम विद्यापीठ ऑफ़लाइन केंद्र लॉन्च करेगा

सुरत भुमि, सूरत। फिजिक्स वल्लाह (पीडब्लू)। भारत की अग्रणी बहुराष्ट्रीय एडटेक कंपनी पूरे भारत में सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने शैक्षणिक वर्ष 25-26 में देश भर में 77 से अधिक नए ऑफ़लाइन तकनीक-सक्षम शिक्षण केंद्र शुरू करने की घोषणा की है। . ये नए केंद्र तमिलनाडु, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में फैले होंगे। यह विस्तार प्रभावी रूप से पीडब्ल्यू के मौजूदा 126 विद्यापीठ और पाठशाला केंद्रों के अलावा 141 शहरों में ऑफ़लाइन उपस्थिति को दोगुना कर देता है। इस रणनीतिक विकास के माध्यम से, पीडब्ल्यू का लक्ष्य टियर 2 और टियर 3 शहरों में छात्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह देश भर में सबसे वंचित क्षेत्रों तक पहुंचे।

शैक्षणिक वर्ष 24-25 में, 200,000 से अधिक छात्रों को पीडब्ल्यू के विद्यापीठ और पाठशाला केंद्रों में नामांकित किया गया था, जो पूरे भारत में शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने के पीडब्ल्यू के मिशन में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। पीडब्लू का लक्ष्य अगले शैक्षणिक वर्ष में अन्य 250,000 छात्रों को शिक्षित करना है और वह प्रत्येक शिक्षार्थी को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा सभी के लिए सशक्तिकरण और समान अवसर का साधन बने। वर्तमान में, देश भर के लगभग हर आईआईटी और एम्स में एक पीडब्लू छात्र है।

शैक्षणिक वर्ष 24-25 में, 200,000 से अधिक छात्रों को पीडब्ल्यू के विद्यापीठ और पाठशाला केंद्रों में

नामांकित किया गया था, जो पूरे भारत में शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने के पीडब्ल्यू के मिशन में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। पीडब्ल्यू का लक्ष्य अगले शैक्षणिक वर्ष में अन्य 250,000 छात्रों को शिक्षित करना है और वह प्रत्येक शिक्षार्थी को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करने के लिए समर्पित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा सभी के लिए सशक्तिकरण और समान अवसर का एक उपकरण है। वर्तमान में, देश भर के लगभग हर आईआईटी और एम्स में एक पीडब्लू छात्र है।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सैमसंग के 400 छात्र भविष्य की तकनीकी स्किल्स में बने माहिर

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया के प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम, सैमसंग इनोवेशन कैंपस ने गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा के 400 छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पाठ्यक्रम का सफल समापन किया। यह कार्यक्रम युवाओं के कौशल विकास में योगदान देकर #DigitalIndia अभियान को मजबूत बनाने के सैमसंग के संकल्प को दोहराता है।

समापन समारोह में गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आर.के. सिन्हा, सैमसंग के अधिकारी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस एक-वर्षीय प्रोग्राम के टॉपर्स को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और दिल्ली/एनसीआर में सैमसंग के केंद्रों को देखने का अवसर मिलेगा, जहां वे सैमसंग की लीडरशिप टीम से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर टॉप करने वाले छात्रों को सैमसंग के आकर्षक प्रोडक्ट्स भी पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा, "एआई, आईओटी, बिग डेटा और कोडिंग जैसे फ्यूचर-टेक स्किल्स में युवाओं को शिक्षा देना सैमसंग की एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के विकास में योगदान देना और डिजिटल इंडिया पहल को आगे बढ़ाना है। सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के दूसरे सत्र के तहत, सैमसंग के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम ने इस दिशा में एक कदम और बढ़ाया है, जिससे देशभर के युवाओं को महत्वपूर्ण ज्ञान और प्रशिक्षण देकर उनकी नौकरी करने की क्षमता बढ़ाई जा सके।"

सैमसंग इनोवेशन कैंपस चार प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों - एआई, आईओटी, बिग डेटा, और कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में व्यापक प्रशिक्षण देता है। इस कार्यक्रम के जरिए छात्र अपनी नौकरी की योग्यता को बेहतर करने के लिए कैपस्टोन प्रोजेक्ट्स और सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव हासिल कर सकते हैं। एआई पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 270 घंटे की थ्योरी और 80 घंटे के प्रोजेक्ट वर्क से गुजरना होता है, जबकि आईओटी और बिग डेटा के छात्रों को 160 घंटे की थ्योरी और 80 घंटे का प्रोजेक्ट वर्क करना होता है। कोडिंग और प्रोग्रामिंग में भाग लेने वाले छात्रों को 80 घंटे की ट्रेनिंग के बाद हैकथॉन में भाग लेना होता है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत सैमसंग देश भर के 3,500 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेगा।

इस कार्यक्रम में चार राज्यों के आठ शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र में, दिल्ली एनसीआर के दो केंद्रों के अलावा लखनऊ और गोरखपुर में भी ट्रेनिंग सेंटर बनाए गए हैं। दक्षिण में, बेंगलुरु के दो केंद्रों के साथ तमिलनाडु और कर्नाटक में भी ट्रेनिंग सेंटर हैं, जोकि चेन्नई और श्रीपेरूम्बुदूर में स्थित हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रुजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन के साथ त्योहारी मौसम की खुशियां मनाई

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ाते हुए अपने बेहद लोकप्रिय मॉडल - अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन की घोषणा की। स्टाइल और प्रीमियम खासियतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिज़ाइन किया गया यह स्पेशल एडिशन, ग्राहकों की खुशी और उत्साह बढ़ाने के लिए टोयोटा जेनुइन एक्ससेसरीज़ (टीजीए) पैकेज के साथ आता है। इसे अच्छी तरह से तैयार किया गया है।

फेस्टिव एडिशन की पेशकश पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सबरी मनोहर ने कहा, "टोयोटा में, हमारा प्रयास हमेशा अपने ग्राहकों के खास अवसरों और उत्सवों का हिस्सा बनने पर केंद्रित रहा है, जो आनंद दायक, ग्राहक-केंद्रित अनुभव तैयार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अर्बन क्रूजर हाइराइडर फेस्टिव एडिशन की हाल ही में शुरुआत के बाद, हम अर्बन क्रूजर टेसर के फेस्टिव एडिशन की पेशकश करते हुए उत्साहित हैं, जिसे इस फेस्टिव सीजन में कुछ नया और रोमांचक लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहक इस नए एडिशन में बेहतरीन मूल्य पाएंगे।"

अप्रैल 2024 में लॉन्च किये जाने के बाद से, अर्बन क्रूजर टेसर ग्राहकों के बीच तेज़ी से पसंदीदा बन गया है, खासकर उन लोगों के बीच जो स्टाइल, परफॉरमेंस और बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण चाहते हैं। टोयोटा की एसयूवी विरासत से प्रेरित, टेसर में आकर्षक बाहरी हिस्से हैं जो प्रतिष्ठा की भावना को बढ़ाते हैं, इसके स्लीक, एयरो डायनैमिक डिज़ाइन और बोल्ड फ्रंट ग्रिल के साथ आते हैं। विश्वसनीयता और आराम के लिए प्रतिष्ठा के साथ, टेसर ने पूरे भारत में एसयूवी उत्साही लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है।

1.0 लीटर टर्बो 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और 6 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है जो 5500 आरपीएम पर 100.06 पीएस की अधिकतम शक्ति प्रदान करता है। पावर पैक्ड ड्राइविंग अनुभव के अलावा, 1.0 लीटर टर्बो मैनुअल के लिए 21.5* किमी/लीटर और ऑटोमैटिक के लिए 20.0* किमी/लीटर की सेगमेंट की सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता भी प्रदान करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)